द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.)

क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2018 – 2020

(As per NCFTE- 2009 and Revised Two Years M.Ed. NCTE-2014)

शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षा संकाय

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम

उद्देश्य

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्टतत्व प्राप्त अध्यापक शिक्षक तैयार करना है जोकि संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान प्रदान कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित है।

- शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में चिन्तन करने की क्षमता का विकास करना।
- शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार से सम्बन्धित सम्प्रत्ययों में अन्तर्दृष्टि का विकास करना।
- शैक्षिक अनुसन्धान की विधियों का प्रयोग संस्कृत शिक्षा के संवर्द्धन में करने की क्षमता का विकास करना।
- शैक्षिक प्रौद्योगिकी का शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में अनुप्रयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- शिक्षा के सामाजिक परिप्रेक्ष्य से अवबोध कराना।
- अध्यापक शिक्षा के स्वरूप एवं विकास से परिचित कराना।
- शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- शैक्षिक निर्देशन एवं उपबोधन को अनुप्रयोग करने से सम्बन्धित क्षमता का विकास करना।
- पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना।
- विभिन्न देशों के शिक्षा प्रणाली के स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना।
- संस्कृत शिक्षा के विकास एवं शोध के क्षेत्रों से अवगत कराना।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा के पाठ्यक्रम अभिकल्पन की क्षमता का विकास करना।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व क्षमता में अधिगम आकलन की दक्षता विकसित करना।
- किसी शोध समस्या का सोपानिक क्रम में समाधान ज्ञात करने की क्षमता का विकास करना।
- समस्या निरूपण, शोध विधि, प्रतिदर्श एवं उपकरण चयन, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण से सम्बन्धित क्षमताओं का विकास करना।
- शोध प्रतिवेदन लेखन से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास करना।

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम **2000** अंक एवं **80** क्रेडिटस का है जिसकी क्रियान्विति चार सेमेस्टरों में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर **500** अंक एवं **20** क्रेडिटस का है। इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चार मुख्य घटक है – सैद्धान्तिक, प्रायोगिक, संस्था सम्बद्धता एवं लघु शोध प्रबन्ध। इसके अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियों को भी चार सेमेस्टरों में यथा स्थान समाहित किया गया है।

इन घटकों के कोर्सेज का स्वरूप निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत है।

कुल अंक 2000 कुल क्रेडिटस 80+8*

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम के मुख्य घटक एवं कोर्स का स्वरूप

मुख्य घटक (Main Compinants)	कोर्स के नाम (Category of Course)	कोर्स संख्या (No. of Course)	कुल अंक (Marks)	कुल क्रेडिट (Credits)	कुल अंक/क्रेडिटस (Total Credits)
(A) सैद्धान्तिक (Theory)	(i) संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	03	300	12	
	(ii) संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	03	300	12	
	(iii) संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core Teacher Education)	01	100	04	
	(iv) संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	01	100	04	
	(v) वैकल्पिक (Elective)	02	200	08	48 (1200 अंक)
	(vi) विशेषज्ञता (Specilization)	01 (क या ख)	100	04	
	(vii) विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	01 (क-i-iii) या (ख-i-iii)	100	04	
(B) प्रायोगिक (Practicum)		04	400	16	16 (400 अंक)
(C) संस्था सम्बद्धता (Institutional Attachment)		02	200	08	08 (200 अंक)
(D) लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)		...	200	...	08 (200 अंक)
(E) शैक्षिक गतिविधियां 80% उपस्थिति अनिवार्य (Educational Activities)		04	200	...	08*

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम संरचना का प्रारूप

कुल अंक 2400 क्रेडिटस 80+8*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कुल अंक (Marks)	क्रेडिटस (Credits)	कोर्स की संख्या (No. of Course)	कुल क्रेडिटस (Credits)
	प्रथम सेमेस्टर (First Semester)	500			20
	सैद्धान्तिक **(Theory)**	400	--	04	16
201-202	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	200	04	02	08
203-204	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	200	04	02	08
211	प्रायोगिक **(Practicum)**	100	04	1(i-v)	04
	द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)	500			24
	सैद्धान्तिक **(Theory)**	400	--	04	16
221	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100	-	01	04
222	संकेन्द्रिक-अध्यापक शिक्षा (Core T-E)	100		01	04
223	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100		1	04
224	वैकल्पिक (Elective)	100	04	1(i-v)	04
231	प्रायोगिक **(Practicum)**	100	04	1(i-v)	04
	तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)	500			20
	सैद्धान्तिक **(Theory)**	400	--	02	08
241	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100	04	1	04
242	विशेषज्ञता विषय (Specilization)	100	04	1 (क/ख)	04
243	संस्था-सम्बद्धता (Institution Attachment)	100	04	02	08
251	प्रायोगिक **(Practicum)**	100	04	1(i-v)	04
	चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)	500			20
	सैद्धान्तिक **(Theory)**	200	--	02	08
261	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	100	04	1 (क/ख-3)	04
262	वैकल्पिक (Elective)	100	04	1 (i-v)	04
263	लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)	200	08	--	08
271	प्रायोगिक **(Practicum)**	100	04	1(i-v)	04
212, 232,252,272	शैक्षिक गतिविधियां * 80% उपस्थिति अनिवार्य	200	02*	04	08*

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		400	16	20	400
201	1	शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य (Philosophical Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
202	2	शिक्षा का मनोवैज्ञानिक आधार (Psychological Bases of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
203	3	शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
204	4	शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
211		प्रायोगिक (Practicum)	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिकों के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक प्रयोग एवं परीक्षण		20			
(iii)		विद्यालयीय विषयों पर पावरपाइन्ट निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण।		20			
(iv)		अनुदेशनात्मक सामग्री निर्माण		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र-प्रस्तुति।		20			
212		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		संस्कृत सप्ताह					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल-कूद					
(iv)		संस्कृत सम्भाषण शिविर					

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		400	16	20	400
221	5	शिक्षा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य (Sociological Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
222	6	अध्यापक शिक्षा (Teacher Education)	संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core T.E.)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
223	7	शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन (Data Analysis in Educational Research & Report)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
224	8	ऐच्छिक निम्नलिखित में से कोई एक (Optional Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
224-(i)	8-I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
224-(ii)	8-II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling)					
224-(iii)	8-III	पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education)					
224-(iv)	8-IV	तुलनात्मक शिक्षा (Comparative Education)					
224-(v)	8-V	भाषा शिक्षा (Language Education)					
231		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		शैक्षणिक लेखन (Academic Writings)- इन्द्रियानुभविक एवं दार्शनिक शोध के अनुसार लेखन प्रारूप।		20			
(ii)		शिक्षाशास्त्री कक्षाओं में किन्ही दो पाठों का शिक्षण।		20			
(iii)		गुणात्मक या मात्रात्मक प्रदत्त विश्लेषण पर आधारित दत्त कार्य।		20			
(iv)		शोध संक्षिप्तिका लेखन एवं प्रस्तुतीकरण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र-प्रस्तुति।		20			
232		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	50	2*	**80% Attendance**	
(i)		समसामायिक मुद्दों पर समूह परिचर्चा					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल-कूद					
(iv)		विशिष्ट आख्यान					

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक).		200	8	10	200
241	9	संस्कृत शिक्षा (Sanskrit Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
242	10	विशेषज्ञता विषय (Specialization)	विशेषज्ञता (Specialization) (निम्नलिखित में से कोई एक)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
242-क	10-I	प्रारम्भिक शिक्षा (Elementary Education) या					
242-ख	10-II	माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education)					
243		**संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)**		200	8		8 Weeks
(i)		अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Educational Institution Attachment)		100	4	-	4 Weeks
(ii)		विशेषज्ञता आधारित संस्था सम्बद्धता (Specialization based Institution Attachment)		100	4	-	4 Weeks
251		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय पाठ्यक्रमों (प्रारम्भिक/माध्यमिक) का तुलनात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		किसी व्यवस्थित प्रेक्षण विधि द्वारा कक्षागत अन्तर्क्रिया का निरीक्षण, आधात्री निर्माण एवं विश्लेषण।		20			
(iii)		विशेषज्ञता क्षेत्र आधारित किन्हीं दो संस्थाओं के शिक्षणशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन। अथवा विशेषज्ञता क्षेत्र आधारित किन्हीं दो संस्थाओं के आकलन उपागमों का तुलनात्मक अध्ययन।		20			
(iv)		विद्यालय सम्बद्धता प्रशिक्षण के समय बी.एड. छात्रों का पर्यवेक्षण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं प्रस्तुति।		20			
252		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		वृत्तिक एवं उपबोधन कार्यक्रम					
(ii)		किसी व्यक्ति को संस्कृत बोलना सिखाना					
(iii)		खेल-कूद					
(iv)		सूक्ष्म शिक्षण अवलोकन					

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष

चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500 कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		200	08	08	200
261	11	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
	11-क	प्रारम्भिक शिक्षा में (In Elemenatary Education)					
261-क i	11-क I	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
261-क ii	11-क II	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership)					
261-क iii	11-क III	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
		या (or)					
	11-ख	माध्यमिक शिक्षा में (In Secondary Education)					
261-ख i	11-ख I	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
261-ख ii	11-ख II	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership)					
261-ख iii	11-ख III	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
262	12	**ऐच्छिक-(निम्नलिखित में से कोई एक) (Optional-Any one of the following)**	वैकल्पिक (Elective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
261-(i)	12-I	मूल्य शिक्षा (Value Education)					
261-(ii)	12-II	योग शिक्षा (Yoga Education)					
261-(iii)	12-III	प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन (Philosophy & History of Ancient Education)					
261-(iv)	12-IV	मानवाधिकार (Human Rights)					
261-(v)	12-V	दूरस्थ शिक्षा (Distance Education)					
263		**लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)** लघु शोध प्रबन्ध= 150 मौखिकी= 50	**Field based research**				
271		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		विशिष्ट प्रकरण आधारित चयनित विषय पर व्यावहारिक कार्य।		20			
(ii)		चयनित वैकल्पिक विषय आधारित व्यावहारिक कार्य।		20			
(iii)		लक्ष्य समूह परिचर्चा एवं विमर्शी प्रतिवेदन।		20			
(iv)		पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र-प्रस्तुति।		20			
272		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		शैक्षिक भ्रमण					
(ii)		राष्ट्रीय या राज्य स्तरों की संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति					
(iii)		विशिष्ट व्याख्यान					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम					

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन विधियाँ

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जायेगा विशेषकर **संवादपरक व्याख्यान विधि (Interactive Lecture Method)**। इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को क्रियान्विति **कार्यशाला-शैली (Workshop Mode)** में सम्पन्न की जायेगी। इसके साथ-साथ जिन अन्य क्रियान्वयन विधियों का प्रयोग पाठ्यक्रम के सम्पादन हेतु किया जायेगा उनका उल्लेख निम्नलिखित है-

संगोष्ठी (Seminar)- इस द्विवर्षीय पाठ्क्रयम के अन्तर्गत निर्धारित विभिन्न कोर्सेस से सम्बन्धित विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन विभागीय स्तर पर प्रतिसप्ताह आयोजित किया जायेगा। इससे छात्रों में विषय से सम्बन्धित विचारों को संयोजित रूप में अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।

परिचर्चा (Discussion)- इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में परिचर्चा विधि का भी प्रयोग दो प्रकार से किया जायेगा- युग्म परिचर्चा एवं समूह परिचर्चा। युग्म परिचर्चा के अन्तर्गत छात्रों के युग्म (जोड़े) बनाकर तथा समूह परिचर्चा में कक्षा को छोटे समूहों में बाँटकर शिक्षक द्वारा दिये गये विषय पर चर्चा करवाकर सम्पन्न किया जायेगा। इससे छात्रों में विषय का संश्लेषण, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास होगा।

दत्त कार्य (Assignment)- इस विधि का प्रयोग छात्रों की लिखित अभिव्यक्ति मुख्य रूप से विषय का अवबोध, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन तथा समीक्षा से सम्बन्धित क्षमताओं के विकास करने हेतु किया जायेगा।

प्रश्नोत्तरी (Quiz) - इस विधि का प्रयोग इकाई समापन एवं कक्षा शिक्षण के समय किया जायेगा। इसमें कक्षा छात्रों के विभिन्न समूहों के समक्ष शिक्षण विषय की इकाईयों से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न अध्यापक द्वारा प्रस्तुत करके प्रश्नोत्तरी के रूप में किया जायेगा।

विचारावेश (Brainstorming) - इस रचनाकौशल का प्रयोग छात्रों में समस्या के सृजनात्मक समाधान हेतु किया जाता है। अत: कक्षा स्तर पर पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान ढूंढने हेतु इसका प्रयोग किया जायेगा।

इकाई परीक्षण (Unit Test)- पाठ्यक्रम मे निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित इकाईयों के समापन के पश्चात वस्तुनिष्ठ एवं लघुत्तरीय प्रश्नों पर आधारित मौखिक या लिखित परीक्षण छात्र के अवबोध परीक्षण हेतु किया जायेगा।

सैद्धान्तिक पत्रों हेतु प्रश्नपत्र का स्वरूप

(Structure of the Question Paper for Theory Papers)

कुल अंक = 100

(Total Marks)

75 अंक = बाह्य (लिखित परीक्षा)

75 Marks =External (Written Examination)

25 अंक = आन्तरिक (सत्रीय कार्य)

25 Marks= Internal (Sessional Work)

लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र स्वरूप:

प्रश्न का स्वरूप (Form of the Question)	प्रश्न प्रकार (Type of Question)	प्रश्नों की संख्या (No. of Questions)	अंक/प्रश्न (Marks/Question)	कुल अंक (Total Marks)
(क) अनिवार्य (Compulsory)	लघु–उत्तरीय (Short Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit)	2 अंक/प्रश्न	5 (प्रश्न)X2 (अंक) = **10**
		5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit)	3 अंक/प्रश्न	5 (प्रश्न)X3 (अंक) = **15**
(ख) आन्तरिक विकल्प (Internal Choice)	दीर्घ उत्तरीय (Long Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न) (Two Questions from each unit)	10 अंक/प्रश्न	5(प्रश्न)x10(अंक) = **50**
			कुल अंक (Total Marks)	**75 अंक**

ग्रेड प्रणाली मूल्यांकन

SGPA और CGPA द्वारा छात्र निष्पत्तियों का सेमेस्टर में मूल्यांकन का स्वरूप

(Structure of Evaluation Procedure of Students Performance in Semester)

अंक प्रसार (Scores Range)	ग्रेड (Grade)	ग्रेड पाइन्ट (Grade Point)
90-100	O	10
80-89	A	9
70-79	B	8
60-69	C	7
50-59	D	6
40-49	E	5
Pass with Grace Point	P	4
0-39	F	0
Non-Appeerences in Examination (Incomplete)	I	-
Compulsory Course	Z	

SGPA*- Semester Grade Point Average का गणना सूत्र

SGPA=

where **Ci** = No. of Credits assigned of i^{th} course of a Semester
Pi = Grade point earned in the i^{th} course.
i = 1. .....n, represent no. of courses in which students is registered in the concerned semester.

CGPA*- Cumulative Grade Point Average का गणना सूत्र

CGPA=

where **Cj** = No. of credits assigned for j^{th} course of a semester for which CGPA is to be calculated
Pj = Grade point earned in the j^{th} course.
j = 1. .....m, represent no. of courses in which students is registered from the 1^{st} semester to the semester for which CGPA is to be calculated.

* **SGPA** एवं **CGPA** को दो दशमलव स्थान तक गणना करनी चाहिए।

श्रेणी निर्धारण

CGPA	श्रेणी (Division)
8.5 & above	First division with distinction
6.5 & above but below 8.5	First division
5.0 & above but below 6.5	Second division
4.0 & above but below 5.0	Third division

CGPA को सम्बन्धित अंक प्रतिशत में परिवर्तित करने का सूत्र

X = 10 Y – 4.5 where X = अंक प्रतिशत
Y = CGPA

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		400	16	20	400
201	1	शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य (Philosophical Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
202	2	शिक्षा का मनोवैज्ञानिक आधार (Psychological Bases of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
203	3	शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
204	4	शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
211		प्रायोगिक (Practicum)	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिकों के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक प्रयोग एवं परीक्षण		20			
(iii)		विद्यालयीय विषयों पर पावरपाइन्ट निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण।		20			
(iv)		अनुदेशनात्मक सामग्री निर्माण		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र-प्रस्तुति।		20			
212		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	अनिवार्य **Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		संस्कृत सप्ताह					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल-कूद					
(iv)		संस्कृत सम्भाषण शिविर					

प्रश्नपत्र - 1 शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य.
(Philosophical Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 201 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा और दर्शन की प्रकृति से अवगत कराना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के विविध संप्रदायों के परिप्रेक्ष्य में शैक्षिक मुद्दों का समीक्षात्मक विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- शैक्षिक सम्प्रत्ययों, प्रतिमानों, एवं धारणाओं का समीक्षात्मक अध्ययन करना।
- मूल्यशिक्षा, उसके विविध आयामों और शान्तिशिक्षा के संप्रत्ययों के प्रति संवेदनशीलता विकसित कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई- १ : शिक्षा दर्शन- शिक्षा दर्शन की प्रकृति, निर्देशात्मक सिद्धान्त, दर्शन के उदारवादी दृष्टिकोण का शिक्षा पर प्रभाव। शिक्षादर्शन के कार्य-नियामक एवं विश्लेषणात्मक प्रकार्य। शिक्षा दर्शन की प्रमुख शाखाएं - तत्त्व-मीमांसा, ज्ञान-मीमांसा, मूल्य-मीमांसा एवं तर्कशास्त्र, (अभिप्राय व शैक्षिक निहितार्थ)।

इकाई- २ : भारतीय दर्शन एवं शैक्षिक चिन्तन- जैन, बौद्ध, सांख्ययोग एवं वेदान्त में यथार्थ, सत्य एवं मूल्य की संकल्पना एवं उनका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई- ३ : दर्शन के सम्प्रदाय-भारतीय एवं पाश्चात्य सन्दर्भ में- विचारवाद (आदर्शवाद), यथार्थवाद, प्रयोजनवाद, अस्तित्ववाद एवं मानवतावाद की अवधारणायें। भारतीय एवं पाश्चात्य चिन्तक आचार्य स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गाँधी, श्री अरविन्द, जॉन डीवी एवं बर्ट्रण्ड रसेल के विचारों का शैक्षिक निहितार्थ। कतिपय समसामायिक शैक्षिक समस्याओं एवं मुद्दों पर भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के चिन्तन परिप्रेक्ष्य को रेखांकित करना।

इकाई- ४ : मूल्यपरक शिक्षा - मूल्य की अवधारणा (सामाजिक, आध्यात्मिक व नैतिक मूल्यों के सन्दर्भ में), भारतीय संविधान में निहित शैक्षिक, राष्ट्रीय एवं लोकतान्त्रिक मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन।

इकाई- ५ : अध्यापन व्यवसाय में व्यावसायिक निष्ठा का विकास - अध्यापक शिक्षा में व्यावसायिक निष्ठा। शिक्षक आचार संहिता - राष्ट्रीय संदर्भ में विहित अपेक्षाएं। व्यावसायिक प्रतिबद्धता विकास के कार्यक्रम। व्यावसायिक निष्ठा के संदर्भ में भारतीय चिन्तकों का अवदान।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय विचारकों के चिन्तन पर आधारित शिक्षा के स्वरूप, उद्देश्य एवं अर्न्तवस्तु, शिक्षक - शिष्य के संबंध इत्यादि पर केन्द्रित कार्यशाला एवं प्रतिवेदन लेखन।
2. शैक्षिक समस्याओं का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण हेतु समूह परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।

3. समीक्षात्मक लेख प्रस्तुतीकरण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय,के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
2. पाण्डेय, आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।
3. गैरोला, वाचस्पति, (1995) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. शर्मा, चन्द्र धर, (1995) भारतीय दर्शन: आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
5. झा, नागेन्द्र, (1992) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मिश्र, भास्कर, (2001) वैदिक शिक्षा मीमांसा, ईस्टन बुक लिंकर्स, चन्द्रावल, दिल्ली।
7. मिश्र, भास्कर, (2000) शिक्षा संस्कृति नये सन्दर्भ में, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. भण्डारी, आर. एवं विजय श्री, (1998)भारतीय दार्शनिक चिन्तन, न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन
9. Vinoba Bhave Acharya ,Thoughts on Education; (1985)Sarva Seva Sangh, Varanasi .
10: पाठक, आर.पी., (2011) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
11. उपाध्याय, आचार्य,बलदेव (1991) भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वराणसी ।
12. रस्क, आर., (1970) शिक्षा के दार्शनिक आधार जयपुर, राजस्थान, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
13. पाठक, आर.पी., (2009) भारतीय परम्परा में शैक्षिक चिन्तन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. पाठक, आर.पी., (2011) भारत के महान शिक्षाशास्त्री , पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
15. पाठक, आर.पी., (2012) विश्व के महान शिक्षाशास्त्री , पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
16. ओड, एल.के. (1990) शिक्षा के दार्शनिक पृष्ठ भूमि, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
17. नेल्सन, वी.एच. (1990) मार्डन फिलासाफीज एण्ड एजूकेशन, सेन्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद।
18. लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़, सुनीता (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
19. शर्मा,आर. ए.(1995) तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा, मूल्य मीमांसा एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
20. लाल, रमन बिहारी (2007) शैक्षिक चिन्तन एवं प्रयोग, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
21. ब्रूवेकर जे.एस. (1969) मार्डन फिलॉसफीज ऑफ एजुकेशन, मैकग्राहिल, पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - 2 शिक्षा का मनोवैज्ञानिक आधार
(Psychological Bases of Education)

कोर्स कोड = 202 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान की अवधारणा के सन्दर्भ में शिक्षा, शिक्षण, अधिगम एवं अभिप्रेरणा की परिस्थितियों के विश्लेषण एवं अवबोध हेतु परिप्रेक्ष्य विकसित करना।
- शिक्षण अधिगम की प्रभावी व्यवस्थाओं एवं अभिकल्पों को निर्मित करने हेतु बुद्धि, सर्जनात्मकता, एवं व्यक्तित्व विषयक अद्यतन सिद्धान्तों पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य विकसित करना।
- अन्तर्द्वन्द, समायोजन प्रक्रिया, प्रतिरक्षा क्रिया विधि तथा तनाव प्रबन्धन का शिक्षण की विविध व्यावहारिक परिस्थितियों में निहितार्थ निरूपण की कुशलता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई- १ : शिक्षा मनोविज्ञान -भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान की अवधारणा; मानसिक शक्ति एवं चेतना के उन्नयन में अष्टांग योग एवं ध्यान का महत्त्व। मनोविज्ञान के सम्प्रदाय - व्यवहारवादी, संज्ञानवादी तथा रचनावादी परिप्रेक्ष्य की शिक्षा में प्रासंगिकता के सन्दर्भ में।

इकाई- २ : अधिगम तथा अभिप्रेरणा का मनोविज्ञान- अधिगम तथा अभिप्रेरणा की अवधारणा, अधिगम सिद्धान्त - टोलमैन का संकेत अधिगम, लेविन का क्षेत्र सिद्धान्त तथा बान्दुरा का सामाजिक अधिगम का शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन, पियाजे, ब्रूनर तथा ऑसबेल की दृष्टि में अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग। अद्यतन रचनावादी अवधारणायें-नोवाक एवं वाइगोत्सकी के सन्दर्भ में तथा उनका शैक्षिक निहितार्थ। अभिप्रेरणा के सिद्धान्त-मॉसलो के अभिप्रेरणा सिद्धान्त का एल्डरफर द्वारा संशोधित एवं विकसित प्रतिमान तथा विक्टर रूम के प्रत्याशा सिद्धान्तों का कक्षागत शिक्षण संदर्भ में अध्ययन, पुरूषार्थ चतुष्टय की अवधारणा तथा वर्तमान में प्रासंगिकता।

इकाई- ३ : बुद्धि एवं सर्जनात्मकता का मनोविज्ञान - भारतीय सन्दर्भ में प्रज्ञा, मन, बुद्धि, चित्त एवं अंहकार तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में बुद्धि की अवधारणा। -बुद्धि के सिद्धान्त- गिलफोर्ड, गाडनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त, संवेगात्मक एवं आध्यात्मिक प्रज्ञा की अवधारणा तथा निहितार्थ। सर्जनशीलता-अवधारणा, पहचान तथा संवर्धन के उपायों का शैक्षिक सन्दर्भ में अध्ययन। सर्जनशीलता के रूप में प्रतिभा एवं क्षमता की भारतीय अवधारणा। बुद्धि तथा सर्जनात्मकता का मापन।

इकाई- ४ : व्यक्तित्व का मनोविज्ञान - अवधारणा, सिद्धान्त - मनोविश्लेषण सिद्धान्त -फायड, युंग, एडलर,विशेषक सिद्धान्त - आलपोर्ट, कैटल, आइजेन्क,मानवतावादी सिद्धान्त - मॉसलो, सभी सिद्धान्तों का शैक्षिक निहितार्थ निरूपण। पंचकोशों की अवधारणा,व्यक्तित्व का मापन।

इकाई- ५ : अन्तर्द्वन्द एवं समायोजन -अन्तर्द्वन्द - सम्प्रत्यय एवं प्रकार तथा अन्तर्द्वन्द समाधान के उपाय। समायोजन- अवधारणा, प्रक्रिया, विशेषताएं। भारतीय दृष्टिकोण में योग एवं गीता का समायोजन के सन्दर्भ में शैक्षिक निहितार्थ। प्रतिरक्षा क्रियाओं तथा अन्य विधियों द्वारा तनाव प्रबन्धन, सुस्थित जीवन शैली का विकास एवं एंतदर्थ प्रबन्धन की युक्तियां।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय तथा-पाश्चात्य मनोविज्ञान के मुख्य तत्वों पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. किसी बालक की सर्जनशीलता के सन्दर्भ में व्यष्टि अध्ययन।
3. सुविधा वंचित एवं अधिगम अक्षम बालकों के सन्दर्भ में समायोजन की युक्तियों पर आधारित कार्यशाला।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सिंह, (2006) अरूण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन, आगरा, उ.प्र.।
2. जायसवाल, सीताराम, (1990) भारतीय मनोविज्ञान और शिक्षा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
3. पाण्डेय, के.पी., (2005) नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
4. चौबे एस.पी.,(1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।
5. पाण्डेय आर.एस., (1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।
6. पाल, हंसराज, (2006) प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली वि.वि.।
7. गुप्ता, एस.पी., (2010) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।
8. मंगल, एस.के., (2006) शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हाल आफ इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली।
9. पाठक, आर.पी., (2006) उच्च शिक्षा मनोविज्ञान-एक परिचय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. पाठक, आर.पी., (2011) शिक्षा मनोविज्ञान, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क, नोएडा, उ.प्र.।
11. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2013) शिक्षा मनोविज्ञान के मूल तत्व, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2014) शिक्षा मनोविज्ञान के आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. Bandura, A. and Walters, (1936) R.H., Social Learning and Personality Development, Holt,Rinehart and Winston.
14. Hilgard E.R.and Bower Gardon, H., (1977) Theories of learning, Prentice Hall of India, New Delhi.
15. Chauhan S.S., (1998) Advanced Educational Psychology, Vikas Publishing House, New Delhi.
16. Mathur S.S., (2000) Educational Psychology (Hindi EditionAlso) Vinod Pustak Mandir, Agra.
17. Pandey, K.P., (1998) Advanced Educational Psychology; Konark Publishers, New Delhi.
18. Ausubel, D., (1963) The Psychology of Meaningful Verbal Learning, Grune and Stratton.
19. Hall, C.S and Lindzey, G., (1978) Theories of Personality, 3rd ed, Wiley.

प्रश्नपत्र - 3 शैक्षिक अनुसन्धान प्रविधि
(Methodology of Educational Research)

कोर्स कोड = 203 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- शैक्षिक अनुसन्धान की अवधारणा एवं आधारभूत सोपानों से परिचित कराना।
- शैक्षिक अनुसंधान के मात्रात्मक एवं गुणात्मक उपागमों में निहित शोध प्रक्रिया में अन्तरों को स्पष्ट कराना।
- शोध की विविध विधियों मात्रात्मक एवं गुणात्मक के सन्दर्भ में प्रवीणता विकसित करना।
- शिक्षा के विविध क्षेत्रों में कृत शोधों के सम्बन्ध में अनुक्षेत्र आधारित एवं प्रतिमान आधारित संवदेनशीलता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : शैक्षिक अनुसंधान- शैक्षिक अनुसंधान की प्रकृति एवं अन्तर्विद्यापरकता, शैक्षिक अनुसन्धान के उद्देश्य, सिद्धान्त परीक्षण एवं शैक्षिक परिस्थितियों का उन्नयन। शैक्षिक अनुसन्धान में प्रयुक्त प्रतिमान- मात्रात्मक एवं गुणात्मक तथा दोनों में अन्तर एवं समानता। शैक्षिक अनुसन्धान के स्वरूपों का वर्गीकरण- मौलिक, व्यवहत एवं क्रियात्मक।

इकाई - २: शैक्षिक अनुसंधान क्षेत्र एवं सोपान - शैक्षिक अनुसन्धान के क्षेत्र। अनुसन्धान अनुक्षेत्रों का वर्गीकरण। अद्यतन शैक्षिक अनुसन्धान क्षेत्र। अनुसन्धान क्षेत्रों के निर्धारण में नवीन प्रवृत्तियाँ। शैक्षिक शोध के आधारभूत सोपान- समस्या अनुक्षेत्र चयन, समस्या से सम्बन्धित साहित्य का विशिष्ट सर्वेक्षण, शोध समस्या का निर्धारण, शोध अभिकल्प निर्धारण, आधार सामग्री का संकलन, विश्लेषण एवं निर्वचन, सामान्यीकरण एवं निष्कर्ष निरूपण।

इकाई - ३: शोध समस्या निरूपण एवं परिकल्पना निर्माण- शोध समस्या निरूपण - पारिभाषीकरण, सीमांकन, चरों की पहचान, समस्या मूल्यांकन, शोध प्रश्न का निर्माण। शोध परिकल्पना निर्माण एवं उसका परीक्षण, शोध संक्षिप्तिका का निर्माण ।

इकाई - ४ : शोध का समग्र एवं प्रतिदर्श चयन- शोध समग्र का पारिभाषीकरण, प्रतिदर्श चयन की विधियाँ- सम्भाव्यता एवं असम्भाव्यता आधारित। मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध संदर्भ में प्रतिदर्श चयन एवं उनकी विशिष्टता। शोध समग्र एवं प्रतिदर्श द्वारा उपलब्ध मानक- पैरामीटर तथा सांख्यिकी।

इकाई - ५ : शोध उपकरण -शोध उपकरणों के प्रकार एवं उनकी निर्माण प्रक्रिया, आवश्यक विशेषताएँ-विश्वसनीयता, वैधता एवं प्रासंगिकता। मात्रात्मक शोधों में प्रयुक्त शोध उपकरण- प्रश्नावली, साक्षात्कार, प्रेक्षण, निर्धारण मापनी, परीक्षण, समाजमिति। गुणात्मक शोधों में प्रयुक्त शोध उपकरण- साक्षात्कार, प्रेक्षण (प्रतिभाग आधारित), अभिलेख, संकेन्द्रित समूह परिचर्चा, व्यष्टि अध्ययन।

सत्रीय कार्य :- 25 अंक

1. मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधों पर आधारित प्रतिवेदनों, शोध प्रत्रिकाओं में प्रकाशित शोधों से संबधित अध्ययनों का समीक्षात्मक शोध सारांश प्रस्तुत करना। (प्रत्येक छात्र को कम से कम दो ऐसे शोध सारांश अवश्य प्रस्तुत करने होगें)।
2. किसी चयनित शोध समस्या पर शोध प्रस्ताव प्रस्तुतीकरण।
3. संदर्भ ग्रन्थों सम्बन्धित शोध साहित्य एवं विशिष्ट शोध ग्रन्थों पर आधारित प्रस्तुतियाँ।
4. शोध अभिकल्प निर्मित करना (यह शोध अभिकल्प मात्रात्मक एवं गुणात्मक किसी भी प्रतिमान के अनुसार विकसित किया जा सकता है।)

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
2. त्रिपाठी; एल.बी. एवं भार्गव, हरप्रसाद, (1990) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, उ.प्र.।
3. गुप्ता, एस.पी., (1998) शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।
4. पाण्डेय, के.पी. (2005) शिक्षा तथा मनोविज्ञान में सांख्यिकी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
5. गुप्ता एस.पी., (2000) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।
6. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शर्मा,आर. ए.(2005)) शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
8. भटनागर. ए.बी. (2002)) शिक्षा अनुसंधान की कार्यप्रणाली, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
9. Pandey,K.P.,(2005) Fundamentals of Educational Research; Vishwavidyalaya Prakashan, Chowk, Varanasi.
10. Best, John W., (2000) Research in Education, Prentice Hall Inc, New Delhi.
11. Kerlinger, F.N., (2000) Foundations of Behaviroal Research, Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi
12. Keeves, J.P., Educational Research Methodology And Measrement, International Handbook, Pergamon Press.
13. Pathak, R.P., Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.
14. Guilford & Fruchter, (1987) Fundamental Statistics in Psychology & Education, McGraw Hill.
15. Pathak R.P. (2008) Methodology of Educational Research, Atlantic Publishers New Delhi.

प्रश्नपत्र - 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी
(Educational Technology)

कोर्स कोड = 204 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य :

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा के सम्प्रत्यय, प्रकार एवं उपागमों से अवगत कराना।
- शैक्षिक सम्प्रेषण के सम्प्रत्यय एवं विभिन्न विधियों से अवगत कराना।
- अनुदेशनात्मक प्रणालियों के उद्देश्यों एवं अभिकल्पन से अवगत कराना।
- महत्त्वपूर्ण शिक्षण प्रतिमानों और सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त, प्रकार और निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
- शिक्षण अधिगम प्रबन्धन के चार घटक-नियोजन,संगठन, अग्रसरण एवं नियत्रंण में अन्तर्दृष्टि विकसित करना।
- शिक्षण के प्रतिमान एवं सिद्धान्तों की सम्प्रत्यात्मक अवधारणा एवं प्रकारों से परिचित करना।
- अभिक्रमितं अधिगम की अवधारण एवं विकास की अवस्थाओं में अवबोंध विकसित करना।
- व्यवस्थित प्रेक्षण विधियों द्वारा शिक्षण व्यवहार का विशलेषण करने की दक्षता का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई – १ : शैक्षिक प्रौद्योगिकी - अभिप्राय, प्रकृति, उद्देश्य, उपागम एवं क्षेत्र, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, अवधारणा, उद्देश्य एवं क्षेत्र। प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी एवं आइडिया टेक्नोलॉजी : दोनों में समन्वय। वर्तमान संदर्भ में शैक्षिक प्रौद्योगिकी- टेलीकान्फ्रेसिंग (ऑडियो एवं विडियो), एडूसेट, सम्प्रेषण एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ICT) एवं इसका शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में अनुप्रयोग। ई-अधिगम की अवधारणा। शैक्षिक सम्प्रेषण- अवधारणा, अवयव, प्रक्रिया, अवरोधक तत्त्वों को न्यून बनाने के उपाय तथा मल्टी मीडिया की अवधारणा एवं प्रयोग। ई-अधिगम- अवधारणा, विशेषताएं, प्रारूप, शैलियाँ लाभ एवं सीमाएं।

इकाई – २ : शिक्षण अधिगम का प्रबन्धन : नियोजन- कार्य विश्लेषण, प्रशिक्षण एवं अधिगम की आवश्यकताओं को पहचानना और शैक्षिक उद्देश्यों का प्रतिपादन। **संगठन**- उपयुक्त युक्तियों कक्षा आकार एवं सम्प्रेषण व्यूहरचना का चयन। **अग्रसरण**- अग्रसरण हेतु अभिप्रेरण का अनुप्रयोग और उपयुक्त रचना कौशल का चयन। **नियत्रंण**- अधिगम प्रणाली का मूल्यांकन, मापन एवं उद्देश्य।

इकाई – ३ : शिक्षण सिद्धान्त एवं प्रतिमान- प्रतिमान एवं सिद्धान्त की अवधारणा में मुख्य अन्तर। शिक्षण के सिद्धान्त - धात्री सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त, ढलाई का सिद्धान्त, परस्पर पृच्छा सिद्धान्त (विशेषताएं, सीमाएं एवं शैक्षिक निहितार्थ के सन्दर्भ में)।

शिक्षण के प्रतिमान- अवधारणा एवं आधारभूत तत्त्व। कुछ चयनित शिक्षण प्रतिमान - विकासात्मक प्रतिमान (पियाजे), एडवान्स आरगनाईजर (ऑसवेल), पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सचमैन), शिक्षक

प्रशिक्षक प्रतिमान (हिल्डा-टाबा) के अवयव, विशेषताएँ, सीमाएँ एवं शैक्षिक निहितार्थ तथा प्रत्येक शिक्षणप्रतिमान पर आधारित पाठ-योजना।

इकाई - ४ : अभिक्रम अधिगम की तकनालाजी - अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा तथा ऐतिहासिक विकास। अभिक्रमित अधिगम के सिद्धान्त एवं प्रकार (रेखीय, शाखीय तथा मैथेटिक्स), कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन।

अभिक्रम विकास की अवस्थाएं- (i) अभिक्रम नियोजन-प्रकरण चयन,विषय वस्तु विश्लेषण, अधिगमकर्त्ता की मान्यताएं, उद्देश्य लेखन, पूर्व अपेक्षित कौशल एवं निकष परख निर्माण।

(ii) अभिक्रम लेखन-अभिक्रम के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक तत्व, पद लेखन, एवं अनुक्रम, अभिक्रम संपादन एवं संशोधन।

(iii) अभिक्रम परीक्षण - व्यक्तिगत, लघुसमूह और क्षेत्र परीक्षण।

(iv) अभिक्रम का मूल्याकंन - त्रुटि दर, सूचना घनत्व, अनुक्रम प्रगमन और 90/90 मानक स्तर।

इकाई - ५ शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं आशोधन- शिक्षण व्यवहार की अवधारणा, विशेषतायें, क्षेत्र एवं नवीन प्रवृत्तियाँ। शिक्षण व्यवहार का व्यवस्थित प्रेक्षण- युक्तियाँ एवं उनका अनुप्रयोग (फ्लैण्डर का अन्तर्क्रिया विश्लेषण श्रेणियाँ - FIAC, ओबर्स की पारस्परिक अनुवर्ग विधि - RCS, बेन्टले और मिलर की समकक्ष वार्ता श्रेणी विधि-ETC) के सन्दर्भ में। व्यवस्थित प्रेक्षण से प्राप्त प्रदत्तों का आधात्री निर्माण एवं विश्लेषण (FIAC,RCS एवं ETC के सन्दर्भ में)। शिक्षण व्यवहार आशोधन में व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का अनुप्रयोग, प्रतिपुष्टि एवं अपेक्षित शिक्षण व्यवहार सृजन। कम्प्यूटर अनुप्रयोग द्वारा शिक्षण व्यवहार आशोधन- किसी शैक्षिक कार्य में MS Word का प्रयोग (दत्तकार्य, शोध पत्र आदि के सन्दर्भ में), किसी विद्यालयीय शिक्षण पाठ का पावर पाइन्ट निर्माण एवं प्रस्तुति, किसी प्रशासनिक कार्य में MS- Excel का प्रयोग (समय सारिणी, उपस्थिति एवं छात्र उपलब्धियों के रिकॉर्ड के सन्दर्भ में) एवं किसी शैक्षिक सूचना को इन्टरनेट के माध्यम से अधिगम्य बनाना।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. शिक्षण प्रतिमानों पर आधारित पाठयोजना निर्माण।
2. रेखीय अभिक्रम निर्माण (किसी विद्यालयीय विषय पर)।
3. किसी व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का प्रयोग द्वारा शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं आशोधन।
4. पावर पाइन्ट प्रस्तुति निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण (किसी विद्यालयीय विषय पर)।
5. इन्टरनेट द्वारा किसी शैक्षिक सम्प्रत्यय से सम्बन्धित सूचना डाउनलोड करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. मिश्र, करूणा शंकर, (1995) शिक्षण में नवचिन्तन, संज्ञानालय, कानपुर, उ.प्र.।
2. पाण्डेय, के.पी., (1992)अभिक्रमित अधिगमन की टेकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी, उ.प्र.।
3. पाठक, आर.पी.(2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. शर्मा,आर. ए.(2002)) शिक्षा के तकनीकी आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

6. भटनागर. ए.बी. (2000)) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

7. सक्सेना, एन.आर. स्वरूप (2006)) शिक्षण की तकनीकी; आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

8. शर्मा,आर. ए.(2010))सूँचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

9. शर्मा,आर. ए.(2005)) शिक्षणशास्त्र के मूल तत्व, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

10. पाठक, आर.पी.(2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

11. Pandey,K.P., (1997) Modern Concepts of Teaching Behaviour, Anamika Publications, New Delhi.

12. K. Sampat and et.all, (1990) Education Technology Sterling Publishing Pvt.Ltd., New Delhi.

13. Bruner, J.S., (1980) Towards Theory of Instruction, Mass Hardward University Press, Cambridge.

14. Singh, L.C. (1990) Microteaching, Bhargava Book Depot, Agra. U.P.

15. Allen And Ryan, (1985) Microteaching, Addison Wesley, New York.

16. Shelter, P A (1980) History of Instructional Technology, Megran, New York.

17. Bruce Joyce and Marsha Weil, (1975) Models of Teaching, Prentice Hall of India. New Delhi.

18. Passi B.K., (1985) Becoming Better Teacher, Sahitya Mudranalaya, Ahmadabad.

19. Pathak,R.P.,(2010) : Educational Technology : Pearson Education New Delhi.

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		400	16	20	400
221	5	शिक्षा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य (Sociological Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
222	6	अध्यापक शिक्षा (Teacher Education)	संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core T.E.)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
223	7	शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन (Data Analysis in Educational Research & Report)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
224	8	ऐच्छिक निम्नलिखित में से कोई एक (Optional Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
224-(i)	8-I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
224-(ii)	8-II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling)					
224-(iii)	8-III	पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education)					
224-(iv)	8-IV	तुलनात्मक शिक्षा (Comparative Education)					
224-(v)	8-V	भाषा शिक्षा (Language Education)					
231		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		शैक्षणिक लेखन (Academic Writings)- इन्द्रियानुभविक एवं दार्शनिक शोध के अनुसार लेखन प्रारूप।		20			
(ii)		शिक्षाशास्त्री कक्षाओं में किन्ही दो पाठों का शिक्षण।		20			
(iii)		गुणात्मक या मात्रात्मक प्रदत्त विश्लेषण पर आधारित दत्त कार्य।		20			
(iv)		शोध संक्षिप्तिका लेखन एवं प्रस्तुतीकरण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र-प्रस्तुति।		20			
232		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		समसामायिक मुद्दों पर समूह परिचर्चा					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल-कूद					
(iv)		विशिष्ट आख्यान					

प्रश्नपत्र - 5 शिक्षा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
(Sociological Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 221 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य

- समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में अद्यतन भारतीय समाज की समस्याओं के विश्लेषण एवं समीक्षात्मक अध्ययन की कुशलता विकसित कराना।
- शिक्षा के समसामयिक मुद्दों पर परिचर्चा आधारित विमर्श को प्रोत्साहित करना।
- भारतीय समाज की ज्वलन्त समस्याओं यथा शैक्षिक अवसरों की समानता,विषमता भेदभाव एवं लिंग अनुपात समुदाय/अंचल आधारित मुद्दों पर विशेष चिन्तन परिप्रेक्ष्य विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — **75 अंक**

इकाई - १ : शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार- शिक्षा का समाजशास्त्र। सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में शिक्षा। शिक्षा एवं समुदाय (भारतीय समाज के सन्दर्भ में)। शिक्षा और राजनीति। शिक्षा व धर्म शिक्षा एवं संस्कृति।

इकाई - २ : शिक्षा एवं समसामयिक विकास- आधुनिकीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक गतिशीलता, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास।

इकाई - ३ : शिक्षा एवं मानवविकास :- सुस्थिर विकास-संप्रत्यय एवं इसमें शिक्षा की भूमिका। विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों के सन्दर्भ में मानवविकास सूचकांक, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आयु सूचकांक। भारत की अनुस्थिति अन्य देशों के सापेक्ष में, शिक्षा के योगदान का आकलन।

इकाई - ४ : शिक्षा एवं सामाजिक न्याय- सामाजिक समदृष्टि। शैक्षिक अवसरों की समानता से सम्बद्ध कतिपय महत्त्वपूर्ण तत्त्व। प्रजातीयता, नृजातीयता एवं आर्थिक दृष्टि से वंचित वर्ग के संदर्भ में शिक्षा। महिलाओं व ग्रामीण जनता की शिक्षा।

इकाई - ५ : भारतीय संविधान की अपेक्षाओं के अनुसार- भारतीय समाज की कतिपय बहुचर्चित समस्याएं यथा शैक्षिक अवसरों की समानता, शिक्षा का अधिकार, बालश्रम, नारी सशक्तीकरण, सुविधावंचित संवर्ग की विवशताएँ आदि पर समीक्षात्मक अध्ययन। इनसे संबधित शोधों के निष्कर्ष एवं उनके निहितार्थ प्रवर्तित शैक्षिक एवं सामाजिक हस्तक्षेप यथा-छात्रवृत्तियां, नि:शुल्क गणवेश, मध्याहन भोजन आदि, पाठ्यपुस्तकें, समस्याएं एवं उनका व्यष्टि अध्ययन के आधार पर समाधान।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो — **25 अंक**

1. कतिपय चयनित सामाजिक समस्याओं पर समूह परिचर्चा।
2. इकाई आधारित बिन्दुओं पर कृत शोधों के निष्कर्षों की समीक्षात्मक प्रस्तुति।

3. भारतीय समाज में सुविधावंचित संवर्ग (बालिकाओं की शिक्षा सहित) से संबधित विशेष समस्याओं का विश्लेषण एवं उनपर कार्यशाला आधारित समाधान निरूपण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्ड़ेय, के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
2. पाण्डेय,आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगराए उ.प्र.।
3. गैरोला, वाचस्पति, (1997) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबादए उ.प्र.।
4. शर्मा, चन्द्र धर, (1990) भारतीय दर्शनः आलोचना, वि.वि. प्र0, वाराणसी, उ.प्र.।
5. पाठक,आर.पी., (2006) Philosophy and Sociological Perspectives of Education, Atlantic Pulishers & Distributors, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi
6. पाठक, आर.पी., (2010) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
7. पाठक,आर.पी., (2006) भारतीय समाज में शिक्षा,पियर्सन एजूकेशंन,नई दिल्ली।
8. शर्मा, रामनाथ, (1999) शैक्षिक समाजशास्त्र, अटलांटिक पब्लिशर्स,नई दिल्ली।
9. हार्न एच.एस., (1980) डेमोक्रेटिक फिलासाफी आफ एजूकेशन न्यूयार्क, मैकमिलन
10. तनेजा, वी.आर, (1973) एजूकेशनल थाट प्रैक्टिस, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
11. लाल, रमन बिहारी(2005) उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
12. सक्सेना, एन.आर. स्वरूप एवं संजयकुमार (2006) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
13. शर्मा, डी.एस. (2010) शिक्षा तथा भारतीय समाज, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
14. पाठक,आर.पी., (2014) उदीयमान आधुनिक भारतीय समाज में शिक्षा, विकास पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।
15. मिश्र, भास्कर, (1998) शिक्षा संस्कृति नये सन्दर्भ में, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली
16. भण्डारी,आर. एवं विजय श्री, (1990) भारतीय दार्शनिक चिन्तन, न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन, नई दिल्ली।
17. Vinoba Bhave Acharya, Thoughts on Education, Sarva Seva Sangh, Varansi (U.P)

प्रश्नपत्र - 6 अध्यापक-शिक्षा
(Teacher Education)

कोर्स कोड = 222 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य

- अध्यापक शिक्षा की समस्याओं एवं उनके निराकरण हेतु समीक्षात्मक परिप्रेक्ष्य विकसित करना।
- अध्यापक शिक्षा में विविध स्तरों पर अध्यापक प्रशिक्षण के समन्वय पर समग्रदृष्टि विकसित करना।
- अध्यापक शिक्षा की सेवापूर्व एवं सेवारत पद्धतियों में अपेक्षित सुधार के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- विभिन्न देशों की अध्यापक शिक्षा के तुलनात्मक स्वरूप से भारतीय संदर्भ में निहितार्थ समझनें की योग्यता विकसित करना।

पाठ्य-वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : अध्यापक शिक्षा- सम्प्रत्यय, उद्देश्य क्षेत्र। पूर्वप्राथमिक, प्रारम्भिक, माध्यमिक एवं उच्चतर स्तर पर अध्यापक-शिक्षा के उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम। अध्यापक शिक्षा का विकास-प्राचीनकाल, मध्यकाल, ब्रिटिशकाल एवं स्वातन्त्र्योत्तर भारत में गठित आयोगों तथा समितियों के सुझाव - संस्कृत आयोग (1956), कोठारी आयोग (1964-66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति(1968), राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कार्य योजना (1986,1992), डेलर्रस रिपोर्ट (1996), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा - अध्यापकशिक्षा (NCF-TE) 2009।

इकाई - २ : अध्यापक-शिक्षा का वृत्तिपरक विकास- वृत्ति के रूप में अध्ययन। अध्यापक-शिक्षा के केन्द्रीय और राज्यस्तर पर संगठन और इनकी भूमिका विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन-संस्थान मानित विश्वविद्यालय (NIEPA), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE), अध्यापकशिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रस्तरीय स्वयंसेवी संगठन, क्षमता आधारित अध्यापकशिक्षा, सफल अध्यापक, शिक्षक प्रशिक्षक के गुण (प्राचीन तथा अर्वाचीन संदर्भों में)।

इकाई - ३ : अध्यापक शिक्षा की समसामयिक समस्याएं- निजीकरण, अध्यापक शिक्षा की समस्याएं। सेवाकालीन प्रशिक्षण, पूर्वसेवाकालीन प्रशिक्षण। दूरस्थ शिक्षा, मानवसंसाधन विकास। गुणवत्ता आश्वासन (Quality Assurance), आन्तरिक मूल्यांकन।

इकाई - ४ : अध्यापक-शिक्षा-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का तुलनात्मक विवेचन- ऐतिहासिक, प्रयोज़नमूलक, संरचनात्मक एवं पाठ्यक्रमीय कार्यक्रमान्तर्गत भारत, अमेरिका, इंग्लैण्ड, जापान, जर्मनी देशों के सन्दर्भ में। प्रभावी शिक्षक के विकास हेतु शिक्षणाभ्यास का आयोजन- ब्लॉक एवं ईंटर्नशिप, शिक्षणाभ्यास की प्रणाली एवं समस्याएं। अभ्यासपाठों का निरीक्षण अवलोकन एवं मूल्याकंन, प्रशिक्षण प्रतिपुष्टि अवधारणा एवं प्रकार।

इकाई - ५ : अध्यापक शिक्षा आधारित अनुसंधान- शिक्षण प्रभावशीलता। अध्यापक व्यवहार में आशोधन की युक्तियां। विद्यालय परिवेशगत प्रभावशीलता। अध्यापक शिक्षा में नवाचार-पाठ्यक्रम, मूल्यांकन एवं प्रबन्धन से संबधित नवाचार।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. अध्यापक शिक्षा की संस्थाओं DIET यथा-डाइट, CTE, IASE में से किन्ही एक की प्रभाविता पर व्यष्टि अध्ययन करना।
2. भारतीय संदर्भ में अध्यापक शिक्षा पर समूह परिचर्चा।
3. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की गतिविधियों पर आधारित विचारावेश सत्र आयोजित करना।
4. अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक सुधार के विविध आयामों पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शुक्ल, रमाशंकर, (1989) शिक्षक-शिक्षा दशा एवं दिशा, अक्षत प्रकाशन, 36 खारोल कालोनी, फतेहपुरा, उदयपुर (राजस्थान)
2. ओड, एल.के., (1998) शिक्षा में नूतन आयाम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
3. मेहता, चतरसिंह, (1973) शिक्षक प्रशिक्षण के सिद्धान्त एवं समस्यायें, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर।
4. श्रीवास्तव शंकर शरण, (1988) शिक्षा में नवाचार एवं आधुनिक प्रवृत्तियाँ, हरप्रसाद भार्गव प्रकाशन, आगरा, उ.प्र.।
5. शर्मा आर0ए0 एवं चतुर्वेदी शिखा, (1983) अध्यापक शिक्षा, लायल बुक डिपो मेरठ, उ.प्र.।
6. मेहता एवं जोशी, (2001)अध्यापक शिक्षा, Vol I & II , राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
7. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. सक्सेना, एन.आर. (2002) अध्यापक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
9. प्रहलाद, जोशी - (1997) अध्यापक शिक्षा R.S. Vidyapeetha, Tirupati. (A.P)
10. Primary, Secondary, Teacher Education Curriculum, Publication, Department, NCERT, New Dehli.
11. Teacher Education Curriculum "A Frame Work , Publication Department, NCERT, New Delhi.
12. Pandey, B.N & Khosla, D.N, (1986) Student Teaching and Education, NCERT, New Delhi.
13. National Policy on Education, (1986) Govt. of India, New Delhi.
14. Chakrawarti Mohit (2005) Teacher Education, Kanikshka Publisher, Darya Ganj, New Delhi.
15. Sharma, Shashi Prabha (2010) Teacher Education, Kanishka Pubisher Darya Ganj, New Delhi.
16. Sheela, Mangla, (2000) Teacher Education, Radha Publication, New Delhi.
17. Dixit, S.S. : (1990) Teacher Education in Modern Democracy, Sterling Publishers, New Delhi.
18. Mukherjee, S.N. (1985) Education of Teachers in India (Vol I & II), S. Chand & Co., Delhi.

19. Report on Education Commission (1992) (Chapters on Teacher Education) Govt. of India. , New Delhi.
20. Pathak R.P. (2006) Education in the Emerging India, Atlantic Publishers, Delhi

प्रश्नपत्र - 7 शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन
(Data Analysis & Report in Educational Research)

कोर्स कोड = 223 कुल क्रेडिटस = 04
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- शैक्षिक शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण से संबधित अपेक्षित कौशल विकास करना।
- शैक्षिक शोध में प्रदत्तों के विविध स्रोतों के निर्धारण करने की क्षमता का विकास करना।
- प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकी एवं गुणात्मक प्रविधियों के अनुप्रयोग में प्रवीणता विकसित करना।
- शोध प्रतिवेदन के लेखन के विभिन्न प्रकार यथा शोध प्रबन्ध, लधु शोध प्रबन्ध, शोध संगोष्ठी एवं शोध पत्रिकाओं के लिए निहित प्रारूपों से परिचय प्राप्त कराना एवं उनके लेखन में कुशलता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई - १: शोध प्रदत्तों के आधार पर विश्लेषण - अभिप्राय,व्यवस्थापन एवं वर्णनात्मक एवं अनुमानपरक विश्लेषण, मात्रात्मक एवं गुणात्मक प्रदत्तों का वर्गीकरण एवं व्यवस्थापन। मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधो में प्रदत्त विश्लेषण के भेदक लक्षण। आवृत्ति वितरण तालिका निर्माण, बिन्दु रेखीय प्रदर्शन (वृत्तचित्र, दण्डाकृति, स्तम्भाकृति, आवृत्तिबहुभुज, संचयी आवृत्तिवक्र, एवं तोरण)। मात्रात्मक एवं गुणात्मक प्रदत्त विश्लेषण के दृष्टान्त-कृत शोधों के माध्यम से।

इकाई - २: वर्णनात्मक सांख्यिकी विधियों द्वारा प्रदत्त विश्लेषण - केन्द्रवर्ती मान-मध्यमान, मध्यांक एवं बहुलांक मान। विचलन मान-प्रसार, चतुर्थांक, विचलन, औसत विचलन एवं प्रमाणिक विचलन एवं विचलनशीलता गुणांक। स्थितिसूचन मान - प्रतिशंताक एवं प्रतिशतीय क्रंमाक। सहसम्बन्ध गुणांक - स्पीयमैन का अनुस्थिति अन्तरविधि (Rank Difference Method)एवं पियरसन का गुणन आघूर्णविधि (Product Moment Method) - मूल प्राप्तांक विधि द्वारा। सामान्य सम्भाव्यता वक्र (NPC) : अर्थ, विशेषता एवं अनुप्रयोग।

इकाई - ३: अनुमानपरक सांख्यिकीय विधियों द्वारा प्रदत्त विश्लेषण - अनुमान आधारित सांख्यिकीय प्रविधियां- प्राचलिक एवं अप्राचलिक- मानक त्रुटि का सम्प्रत्यय, दो समूहों के मध्य सार्थकता परीक्षण-टी-परीक्षण (t.test), मध्यांक परीक्षण, (Median Test), चिन्ह परीक्षण (Sign Test), एवं मान व्हिटनी यू परीक्षण (Mann Whitney U Test)। दो से अधिक समूहों के मध्य सार्थकता परीक्षण- एफ परीक्षण,((F.Test) मूल प्राप्तांक विधि द्वारा, क्रुस्कल वालिस एकमार्गी प्रसरण विश्लेषण (Kruskal Wallis One Way Analysis of Variance), काई वर्ग परीक्षण (Chi-Square Test)-समान एवं स्वतत्रं वितरण की परिकल्पना के आधार पर परस्पर निर्भरता गुणांक।(Contingency coefficient)।

इकाई - ४: प्रदत्त विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना परीक्षण - परिकल्पना परीक्षण के सोपान-नकारात्मक या शून्य परिकल्पना निर्माण, सार्थकता स्तर का निर्धारण, सांख्यिकी परीक्षण का चयन एवं निरस्तता क्षेत्र का परिभाषीकरण। शून्य परिकल्पना के परिक्षण में त्रुटियाँ - प्रथम प्रकार (टाईप-1) एवं द्वितीय प्रकार (टाईप-2)। एक पुच्छीय या द्विपुच्छीय परीक्षण, नकारात्मक शून्य परिकल्पना के आधार पर शोध परिकल्पना के बारे में लिये जाने वाला निर्णय। गुणात्मक शोधों में प्रदत्त विश्लेषण-तार्किक विश्लेषण, साक्ष्य आधारित विश्लेषण, क्षेत्रीय टिप्पणी आधारित विश्लेषण एवं अभिलेख आधारित विश्लेषण।

इकाई - ५: संक्षिप्तिका एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति - प्रतिवेदन के प्रकार- संक्षिप्तिका, शोध प्रबन्ध, लधु शोध प्रबन्ध, शोध पत्रिका आधारित प्रतिवेदन तथा शोध संगोष्ठियों के लिए निर्धारित प्रारूपों का विवरण। प्रतिवेदन लेखन - भाषा एवं शैली, मानक प्रारूप गत एवं परम्परागत निर्धारिकाएं - प्रतिवेदन का आकार एवं कतिपय यान्त्रिक अवश्यकरणीयता (Imperative)।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधों पर आधारित प्रकाशित शोध अभिलेखों का संक्षिप्तीकरण एवं प्रस्तुति।
2. प्रदत्त विश्लेषण आधारित अभ्यास गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों शोधों के संदर्भ में।
3. शोध प्रतिवेदनों के उदाहरण, उनका समीक्षात्मक अध्ययन एवं अनुवर्ती रूप में लघु अंशो के लेखन कौशल पर केन्द्रित अभ्यास।
4. संगणक आधारित शोध विश्लेषण के साफ्टवेयर से परिचय एवं अपेक्षित सावधानियों पर आधारित परिचर्चा।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्व विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,(उ.प्र.)।
2. त्रिपाठी, एल.बी.एवं भार्गव, (1998) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा, (उ.प्र.)।
3. गुप्ता, एस.पी., (1998) शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा, पुस्तक भवन, इलाहबाद,(उ.प्र.)।
4. पाण्डेय, के.पी.(1998) शिक्षा तथा मनोविज्ञान में सांख्यिकी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी,(उ.प्र.)।
5. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शर्मा आर.ए.(2006)शिक्षा एवं मनोविज्ञान में परा एवं अपरा सांख्यिकी,आर.लाल बुक डिपो मेरठ, उ.प्र.
7. शर्मा आर.ए.(2007) शिक्षा मापन के मूल तत्व एवं सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो मेरठ, उ.प्र.
8. Pandey, K.P., (2005) Fundamentals of Education Research, Vishwavidyalaya Prkashan, Chowk, Varanasi.(U.P)
9. Best John w., (2000) Research in Education, Prentice Hall, Inc, New Delhi
10. Kerlinger F.N., (2000) Foundations of Behaviroal Research, Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi.
11. Keeves, J.P.,(1990) Educational Research Methodology and Measrement, International Handbook, Pergamon Press. New York.
12. Pathak, R.P. (2011), Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.
13. Guilford & Fruchter, (1987) Fundamental Statistics in Psychology & Education, McGraw Hill, New Delhi.
14. Sidney and Seigal, (1956) Non-Parametric Statistical, McGraw Hill Book Co. New

Delhi.
15. Pathak, R.P.(2011) Statistics in Education and Psychology, Pearson Education, New Delhi.

प्रश्नपत्र - 8 -I समावेशी शिक्षा
(Inclusive Education)

कोर्स कोड = 224 (i) | कुल क्रेडिट्स = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य

- समावेशित शिक्षा के आधुनिक परिप्रेक्ष्य का तर्काधार समझने की योग्यता विकसित करना।
- शिक्षा में समावेशित शिक्षा की अवधारणा का प्रबल आधार खोजने की संवेदनशीलता लाना।
- विशेष संवर्ग के बच्चो की शिक्षा की आवश्यकता को दृष्टिगत रखकर शैक्षणिक हस्तक्षेपों एवं नवाचारी युक्तियों के अनुप्रयोग की कुशलता विकसित करना।
- राष्ट्रीय एवम् अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट शिक्षा के सन्दर्भ में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों तथा विकलांगता को दूर करने हेतु सूचना-प्रौद्योगिकी के योगदान से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : विशिष्ट शिक्षा- अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, महत्त्व एवं क्षेत्र। विकलांग बालकों की शिक्षा का विकास - ऐतिहासिक पृष्ठभूमि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), संशोधित प्रारूप (1992) विकलांगता अधिनियम (1995), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) समावेशित शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में निहितार्थ शारीरिक रूप में विकलांग- दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, मन्दबुद्धि, अस्थिविकलांग और अधिगम अक्षमता, पहचान सूची, शिक्षण विधियां, विकलांग के सन्दर्भ में मानव अधिकार।

इकाई - २ : शैक्षिक इन्टरवेन्शन- एकीकरण की प्रक्रिया, विकलांगता के अनुसार कार्यात्मक योग्यताओं का आकलन। विकलांगता एवं सहायक सेवाएं संस्थान कक्ष।

इकाई - ३ : पाठ्यक्रम अनुशीलन- अवधारणा, विकलांगता के सन्दर्भ में पाठ्यक्रम अनुशीलन, पाठ्यसहगामी क्रियाएं एवं संचालन। विकलांगता एवं नवाचार- अधिगम प्लस उपागम, सहभागिता शिक्षण तथा समवयस्क शिक्षण।

इकाई - ४ : समावेशित शिक्षा- अवधारणा, उद्देश्य, तत्त्व, महत्त्व, कक्षा शिक्षण विधियां , समावेशित विद्यालय प्रतिमान, समावेशित शिक्षा की समस्याएं एवं समाधान।

इकाई-५ : विकलांग बालकों की शिक्षा हेतु संस्थाओं का योगदान- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका, विकलांगता और भारतीय पुनर्वास परिषद, विकलांगता को कम करने के लिए सूचना-प्रौद्योगिकी का योगदान।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. सुविधावंचित संवर्ग के किन्ही चयनित दो से तीन छात्रों का व्यष्टि अध्ययन करना।

2. समावेशित शिक्षा की चुनौतियों पर आधारित समूह परिचर्चा करना।

3. समावेशित शिक्षा के कृत शोधों का सार संक्षेप निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शर्मा आर. ए., (2005) विशिष्ट शिक्षा का प्रारूप, लायल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
2. विष्ट, आभा रानी, (1992) विशिष्ट बालक का मनोविज्ञान और शिक्षा, विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा, (उ.प्र.)।
3. सिंह बी.बी.,(1990) विशिष्ट शिक्षा, वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर, (उ.प्र.)।
4. Gary Thomas And Mark Vaughan , (2004) Inclusive Education-Reading And Reflections" Bletchley: Open University Press, paper Book And 18.99 pp 215
5. Panda K.G., (2004)Managing Behaviour Problems in child, Vikas publishing House Private Ltd., New Delhi.
6. Peshwaria R. (2004) Managing Behaviour Problems in child, Vikas publishing House Private Ltd., New Delhi.
7. India Vision, The Report of the Committee of India, Planning Commission, 2020 Govt. of India Published Academic Foundation, New Delhi.
8. Thomas G, (1997) Inclusive Schools for An Inclusive Society, British Journal of Special Education
9. Stainback S. and stainback W, (1990) Inclusive Education, Baltimore, Paul Brokers, Publishing Company

प्रश्नपत्र - 8 -II निर्देशन एवं उपबोधन

(Guidance & Counselling)

कोर्स कोड = 224 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय संदर्भ में निर्देशन एवं अपबोधन की परिस्थितियों में प्रेक्षित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- निर्देशन की व्यावहारिक परिस्थितियों में गुणवता लाने हेतु कुशलता का विकास कराना।
- उपबोधन की परिस्थितियों को सुविधावंचित संवर्ग की समस्याओं के आधार पर व्यवस्थित करने की प्रवीणता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : निर्देशन- निर्देशन की मूलभूत अवधारणा (ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में), उद्देश्य, आवश्यकता, सिद्धान्त, प्रकार और निर्देशक के रूप में अध्यापक की भूमिका। शैक्षिक निर्देशन- अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता, शैक्षिक निर्देशन के सिद्धान्त, प्रक्रिया एवं उसका कार्यक्षेत्र, विभिन्न अवस्थाओं में शैक्षिक निर्देशन-प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर स्तर। व्यावसायिक निर्देशन- व्यावसायिक

निर्देशन की अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता, प्रक्रिया एवं कार्यविधि, व्यवसाय चयन एवं उसके सिद्धान्त, शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन में सम्बन्ध।

इकाई - २ : उपबोधन- उपबोधन की अवधारणा, उपबोधन एवं निर्देशन में अन्तर, उपबोधन प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धान्त, उपबोधन के प्रकार-निदेशात्मक, अनिर्देशात्मक और संकल्पनात्मक (अर्थ, सोपान और इनकी सीमाएँ), अच्छे उपबोधक के गुण।

इकाई - ३ : निर्देशन एवं उपबोधन में साक्षात्कार विधि- अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, सोपान, सिद्धान्त, लाभ, सीमाएँ।

इकाई - ४ : निर्देशन सेवायें- सूचना सेवा, आत्म-तालिका सेवा, उपबोधन सेवा, स्थानन सेवा, अनुवर्त्ती सेवा और शोध सेवा (इनके महत्त्व, कार्य विधि और सीमाएँ) ।

इकाई - ५ : निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त विविध परीक्षण- बुद्धिपरीक्षण, रूचि परीक्षण, अभिरूचि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, व्यक्तित्व परीक्षण, परीक्षणेतर उपबोधन एवं निर्देशन हेतु उपकरण एवं युक्तियाँ।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय संदर्भ में अंचल आधारित वृत्तिक सर्वेक्षणों का सारांश संग्रह करना।
2. शैक्षणिक निर्देशन के संदर्भ में अधिगम अक्षम बालकों पर आधारित व्यष्टि अध्ययन
3. किन्हीं दो या तीन सुविधावंचित संवर्ग के बालकों के उपबोधन के कार्यक्रमों में प्रतिभाग।
4. प्रभावी निर्देशन एवं उपबोधन सुनिश्चत करने हेतु परीक्षणों एवं परीक्षणेत्तर उपकरणों का चयन एवं उनका व्यवहारिक परिस्थितियों में अनुप्रयोग।

अध्येय ग्रन्थ–

1. ओबराय, एस.सी., (2005)शैक्षिक तथा व्यासायिक निर्देशन एवं परामर्श, इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ(उ.प्र.)।
2. दुग्गल एस.पी., (2005) निर्देशन एवं परामर्श, अर्णव बुक हाउस, मेरठ(उ.प्र.)।
3. योगेन्द्रजीत भाई, (1995) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा (उ.प्र.)।
4. जायसवाल, सीताराम, (1988) शिक्षा निर्देशन और परामर्श, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,लखनऊ (उ.प्र.)।
5. इन्दुदवे एवं पाठक, (2000)निर्देशन के मूल तत्त्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर(राजस्थान)।
6. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शर्मा आर.ए. (2002), निर्देशन एवं परामर्श के मूल, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।
8. भटनागर,आर.पी. एवं जौहरी मन्जू(2005), शिक्षा एवं मनोविज्ञान में निर्देशन और परामर्श, आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।
9. शर्मा आर.ए एवं चतुर्वेदी शिखा(2007), शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श के मूल, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

10. दूबे, रमाकांत (1979), शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन के मूल सिद्धान्त, राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, (उ.प्र.)।

12. पाण्डेय, के.पी., एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2003) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, (उ.प्र.)।

प्रश्नपत्र - 8 - III पर्यावरण शिक्षा
(Environment Education)

कोर्स कोड = 224 (iii) — कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

उद्देश्य

- पर्यावरणीय विकृतियों से जनित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- पर्यावरण सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूकता लाना।
- पर्यावरण के कुशल प्रबन्धन हेतु युक्तियों एवं हस्तक्षेपों के बारे में कुशलता विकसित करना।
- राष्ट्रिय एवं वैश्विक संदर्भ में पर्यावरण की गुणवत्ता के आयामों के प्रति सजग दृष्टि विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई - १ : पर्यावरण शिक्षा- परिचय (प्राचीन एवं वर्तमान संदर्भ में), अभिप्राय, महत्त्व, क्षेत्र, उद्देश्य, प्रभावित करने वाल कारक। भारत में पर्यावरण शिक्षा मानव एवं पर्यावरण संबंध- पारिस्थिक एवं मनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य में। पर्यावरण शिक्षा के संदर्भ में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका।

इकाई - २: पर्यावरण एवं परितंत्र - पर्यावरण एवं परितंत्र। पर्यावरण - अर्थ एवं प्रकार। परितंत्र - संप्रत्यय, प्रकार एवं घटक; प्रकृति, मानव एवं प्रौद्योगिकी। पर्यावरणीय प्रदूषण- मृदा, वायु,जल, नाभिकीय, ध्वनि मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक पर्यावरण, प्रदूषण के कारण, प्रभाव एवं निवारण के उपाय। पर्यावरणीय संकट- विलुप्त प्रजातियां, मृदा अपरदन, वन उन्मूलन।

इकाई - ३: शिक्षण विधियाँ एवं संसाधन- व्याख्यान, परिचर्चा, परियोजना, प्रदर्शन, अनुरूपण, रोल अभिनय, सेमिनार, कार्यशाला, समस्या समाधान, संवाद, प्रदर्शनी, क्षेत्र-सर्वेक्षण। संसाधन-विद्यालय, स्थानीय संसाधन, दृश्य-श्रव्य सामग्री, संग्रहालय, सरकारी एवं स्वयं सेवी संस्थाएँ, पर्यावरण शिक्षा में जन संचार साधनों की भूमिका।

इकाई - ४ : पाठ्यक्रम, कार्यक्रम एवं परियोजनाएँ- पाठ्यक्रम- प्रकृति, विशेषताएँ, कार्यक्रम - राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय, परियोजनाएँ- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय, विभिन्न देशों की पर्यावरणीय परियोजनाओं का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई - ५: पर्यावरणीय प्रबन्धन एवं आचार संहिता- पर्यावरणीय प्रबन्धन - अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व। पर्यावरणीय प्रबन्ध के पक्ष, आधार तथा उपागम। वायु, जल एवं मृदा प्रबन्धन। पर्यावरणीय आचार संहिता संप्रत्यय, महत्व।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. पर्यावरणीय प्रदूषण के किसी एक दो अनुक्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान की परियोजना विकसित करना एवं उनकी क्रियान्वति पर आधारित प्रतिवेदन लेखन।
2. विद्यालय अथवा समुदाय केन्द्रित प्रमुख स्थलों पर स्वच्छता अभियान के हस्तक्षेपों में प्रतिभाग एवं प्रतिवेदन निर्माण।
3. पर्यावरणीय गुणवत्ता सुधार के विभिन्न आयामों पर समूह परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सक्सेना, ए.बी., (1991)पर्यावरण शिक्षा, आर्यबुक डिपो, दिल्ली।
2. सिंह, सविन्द्र, (2000) पर्यावरण भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
3. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
4. फेडोरेव, ई. (1980) मेन एण्ड नेचर द इकोलोजिकल क्राइसेज एण्ड सोसल प्रोग्रेस, प्रोगेरपब्लिशर्स, मास्को।
5. रघुवंशी, अरुण एवं चन्द्रलेखा, (1998) पर्यावरण तथा प्रदूषण, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
6. यूनेस्को, (1977)ट्रेन्ड्स इन इनवायरमेण्टल एजूकेशन, यूनेस्को, पेरिस।
7. पाण्डेय, के.पी., भारद्वाज, अमिता, पाण्डेय (2005) पर्यावरण शिक्षा एवं भारतीय संदर्भ, विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी।
8. मित्तल सन्तोष (2006): 21 वीं सदी में पर्यावरण एवं पर्यावरण शिक्षा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
9. आर.ए.शर्मा (2004): पर्यावरण शिक्षा,आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
10. मिश्रा, सन्ध्या (2010): पर्यावरण शिक्षा,आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

प्रश्नपत्र - 8 - IV तुलनात्मक शिक्षा
(Comparative Education)

कोर्स कोड = 224 (iv) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में विभिन्न देशों की शिक्षा प्रणालियों के सापेक्ष प्रेक्षित शैक्षिक संरचनाओं समस्याओं एवं नवाचारी कार्यक्रमों के प्रतिसंवेदनशीलता विकसित करना।
- भारतीय शिक्षा व्यवस्था में प्रयुक्त संरचनात्मक हस्तक्षेपों के प्रभावों का समीक्षात्मक विश्लेषण करना।
- भारतीय शिक्षा की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने हेतु आपेक्षित समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : तुलनात्मक शिक्षा- आवधारणा- एक नवीन विषय के रूप में, आवश्यकता, विधियां, क्षेत्र, बाह्य-अन्तः शैक्षिक विश्लेषण। लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता की अवधारणा के आलोक में विभिन्न देशों की शिक्षा-प्रणालियाँ। तुलनात्मक शिक्षा के कारक एवं उपागम- भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, समाजशास्त्रीय, दार्शनिक, भाषा, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक, पारिस्थितिक, संरचनात्मक एवं कार्यात्मक।

इकाई २ : विभिन्न देशों की शिक्षा पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन- प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च एवं शिक्षक शिक्षा-अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया एवं भारत के सन्दर्भ में- स्वरूप, उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम।

इकाई ३ : विश्वशिक्षा में आधुनिक प्रवृत्तियाँ- राष्ट्रीय एवं वैश्विक। विभिन्न देशीय लोगों के शैक्षिक समुन्नयन में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका। विकासशील देशों का अध्ययन (विशेषतया भारत के सन्दर्भ में)- समस्यायें उनके कारक एवं शैक्षिक समाधान।

इकाई ४ : शिक्षा की विभिन्न प्रणालियों का तुलनात्मक अध्ययन (ब्रिटेन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया एवं भारत के सन्दर्भ में)- परीक्षा प्रणाली, शैक्षिक प्रबन्धन प्रणाली, मूल्यपरक शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा एवं दूरवर्ती शिक्षा।

इकाई ५ : तुलनात्मक शिक्षा की भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता- अमेरिका, ब्रिटेन तथा आस्ट्रेलिया की शिक्षा व्यवस्था की विशेषतायें एवं भारतीय शिक्षा व्यवस्था में उनके समावेश की संभावनायें।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. भारतीय शिक्षा में शिक्षण-अधिगम, परीक्षा, मूल्यांकन, कार्यक्रम निर्धारण, शिक्षक - छात्र सम्बन्ध आदि में से चयनित किन्ही दो बिन्दुओं पर समीक्षात्मक लेख प्रस्तुत करना।
2. ब्रिटेन, अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया की शिक्षा व्यवस्था में संदर्भित मुख्य शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण परिचर्चा के माध्यम से।
3. कतिपय चयनित शैक्षिक मुद्दों पर सुधार हेतु विचारावेश सत्र आयोजित करना।
4. अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन एवं भारत की शिक्षा पद्धति के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित दत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय के.पी. (1995) तुलनात्मक शिक्षा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी, उ.प्र.।
2. चौबे, सरयूप्रसाद, (1994) तुलनात्मक शिक्षा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।
3. जायसवाल, सीताराम, (1970)तुलनात्मक शिक्षा, हिन्दी समिति सूचना विभाग, उ.प्र.।
4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. Pathak R.P., (2006) Global Trends & Development of Education in Modern India Atlantic Publishers, New Delhi.
6. Pathak R.P., (2009) Education in the Emerging India, Atlantic Publishers & Distributors, New Delhi.

प्रश्नपत्र - 8 - V भाषा शिक्षा
(Language Education)

कुल क्रेडिटस = 04
कोर्स कोड = 224 (v)
कुल अंक = 100
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

उद्देश्य

- भाषा शिक्षण एवं अधिगम की परिस्थितियों को अधिगमकर्त्ता की आवश्यता के अनुरूप अभिकल्पित करने की दक्षता विकसित करना।
- भाषा शिक्षण के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को तैयार करना।
- भाषा की प्रकृति एवं अधिगमकर्त्ता की आवश्यकता के सापेक्ष संगति बनाने वाली युक्तियों का विशेषज्ञ प्रशिक्षक बनाना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई १ : भाषा– भाषाशिक्षण, योजना, प्रकृति, कार्य और निहितार्थ। भाषा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भाषा की प्रकृति कार्य विश्लेषण, रचना। ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान एवं वाक्यविज्ञान प्रमुख सिद्धान्त एवं शिक्षण हेतु अपेक्षित सावधानियाँ। भाषाशिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान - भारतीय परम्परा : यास्क, पाणिनि, पतंजलि एवं भर्तृहरि का योगदान। पाश्चात्यपरम्परा : व्यवहारवादी उपागम, संज्ञानात्मक उपागम, संप्रेषणात्मक उपागम। मनोभाषिक उपागम : भाषाशिक्षण अधिगम के मनोविज्ञान का सिद्धान्त।

इकाई २ : भाषाशिक्षण और अधिगम का शिक्षाशास्त्र - भाषाशिक्षण प्रथमभाषा एवं द्वितीयभाषा - उद्देश्य, संरचना, सामग्रीनिर्माण, मूल्यांकन, प्रभावित करने वाले कारक। भाषा पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम विकास: आयाम, प्रभावित करने वाले कारक, मूल्यांकन। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चस्तर भाषायी कौशलों का विकास। भाषा अधिगम में वैयक्तिकरण- आवश्यक, प्रविधियां, कक्षागतकार्य और सत्रीयकार्य।

इकाई ३: भाषाशिक्षण में अनुसंधान - पठन एवं लेखन अनुसंधान, निर्देशन ओर प्राथिमिकतायें। सन्दर्भगत समस्यायें 'भारत का बहुभाषीय सन्दर्भ' संवैधानिक प्रावधान- त्रिभाषासूत्र, राष्ट्रीय शिक्षानीति 1968, 1986, 1992 और राष्ट्रीय स्कूल पाठ्यचर्या 2005 की संस्तुतियां।

इकाई ४ : पाठ्यचर्याविकास 'भारत के बहुभाषीय सन्दर्भ में'-केन्द्रिकतत्त्व, प्रविधियां, मूल्यांकन। भाषा अध्यापकों को तैयार करना : पूर्वसेवाशिक्षा, सेवारत शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास। भाषाशिक्षण भाषासाक्षरता प्रकृति, अन्तर, अन्त: सम्बन्ध, शिक्षण और मूल्यांकन की प्रविधियां। आवश्यकता आधारित पठन व लेखन कार्यक्रम। भाषाशिक्षा में सृजनात्मकता और इसको विकसित करने की प्रविधियां।

इकाई ५ : भाषा विज्ञान में संलग्न विभिन्न संस्थाओं की भूमिका- भाषा विकास में संलग्न संस्थाएं -केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, केन्द्रीय भाषा संस्थान मैसूर, इंगलिश एवं विदेश भाषा विश्वविद्यालय हैदराबाद। भाषा शिक्षानीति के कार्यान्वयन में आगत समस्यायें एवं उनके समाधान के उपाय-राष्ट्रीय, राज्य, जनपद एवं स्थानीय स्तर पर।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भाषायी कौशलों को अधिगमकत्ताओं की आवश्कताओं के अनुरूप विकसित करने हेतु भाषा प्रयोगशाला आधारित अभ्यास कराना।
2. भाषा शिक्षण में गुणवत्ता के आयाम को विकसित करने हेतु परिचर्चा आयोजित करना।
3. प्रभावी भाषा कौशल विकास की विशिष्ट अभ्यासमालायें अभिकल्पित करना एतदर्थ- उच्चारण, वाचन, लेखन अथवा परीक्षण से सवंधित अभ्यास हेतु किन्ही दो का चयन किया जा सकता है।

अध्येय ग्रन्थ–

1. द्विवेदी, कपिल देव,(2003)भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र।
2. तिवारी, भोलानाथ, (2002)भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, उ.प्र।
3. पाठक, आर.पी.(2010) भाषा शिक्षण, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986,1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, 2009 एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		200	8	10	200
241	9	संस्कृत शिक्षा (Sanskrit Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
242	10	विशेषज्ञता विषय (Specialization)	विशेषज्ञता (Specialization) (निम्नलिखित में से कोई एक)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
242-क	10-I	प्रारम्भिक शिक्षा (Elementary Education)					
		या					
242-ख	10-II	माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education)					
243		**संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)**		200	8		8 Weeks
(i)		अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Educational Institution Attachment)		100	4	-	4 Weeks
(ii)		विशेषज्ञता आधारित संस्था सम्बद्धता (Specialization based Institution Attachment)		100	4	-	4 Weeks
251		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय पाठ्यक्रमों (प्रारम्भिक/माध्यमिक) का तुलनात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		किसी व्यवस्थित प्रेक्षण विधि द्वारा कक्षागत अन्तर्क्रिया का निरीक्षण, आधात्री निर्माण एवं विश्लेषण।		20			
(iii)		विशेषज्ञता क्षेत्र आधारित किन्हीं दो संस्थाओं के शिक्षणशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन। अथवा विशेषज्ञता क्षेत्र आधारित किन्हीं दो संस्थाओं के आकलन उपागमों का तुलनात्मक अध्ययन।		20			
(iv)		विद्यालय सम्बद्धता प्रशिक्षण के समय बी.एड. छात्रों का पर्यवेक्षण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं प्रस्तुति।		20			
252		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		वृत्तिक एवं उपबोधन कार्यक्रम					
(ii)		किसी व्यक्ति को संस्कृत बोलना सिखाना					
(iii)		खेल-कूद					
(iv)		सूक्ष्म शिक्षण अवलोकन					

प्रश्नपत्र - 9 संस्कृत शिक्षा
(Sanskrit Education)

कोर्स कोड = 241 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य

- संस्कृत शिक्षा क्षेत्र के विषय में पूर्णरूप से अवबोध कराना।
- संस्कृत शिक्षा के विकास, समस्याओं का अवबोध कराना।
- संस्कृत शिक्षा में अनुसन्धान हेतु क्षेत्रों से परिचित कराना।
- संस्कृत शिक्षा से जुड़ी संस्थाओं की भूमिकाओं से अवगत कराना।
- संस्कृत शिक्षा में नूतन प्रवृत्तियों से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : संस्कृत शिक्षा का विकास- पारम्परिक संस्कृत शिक्षा, सम्प्रत्यय, उद्देश्य, पाठयचर्या, विधियाँ मूल्यांकन, गुण, दोष।

इकाई २ : संस्कृतशिक्षा में अनुसन्धान क्षेत्र- वर्णनात्मक, प्रायोगिक एवं ऐतिहासिक, दार्शनिक, क्रियात्मक अनुसंधान विधियाँ। संस्कृतशिक्षण की समस्याओं पर आधारित अनुसंधान। शिक्षणविधियों पर आधारित अनुसन्धान। संस्कृत अधिगम पर आधारित अनुसन्धान। प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों पर आधारित अनुसन्धान।

इकाई ३ : संस्कृतशिक्षा का सवंर्धन- संस्कृत अधिगम के लिये अनुदेशनात्मक सामग्री का निर्माण। संस्कृत सम्भाषण शिविर- आयोजन एवं प्रविधि। संस्कृत प्रशिक्षणवर्ग का आयोजन तथा दायित्व। संस्कृतभाषा सम्बद्ध प्रदर्शिनी। संस्कृतसम्बद्ध संगोष्ठी/सम्मेलन का आयोजन।

इकाई ४ : संस्कृतशिक्षा से जुड़ी संस्थाएं- संस्कृत पाठशाला, गुरूकुल एवं अभिनव प्रयोग। संस्कृत परीक्षा मण्डल/समिकत। संस्कृत संवर्धन संगठन। संस्कृत विश्वविद्यालय। संस्कृत शोध संस्थाऐं- संस्कृत अकादमी, सरकारी संस्थाएं, गैर सरकारी संस्थाएं एव स्वयं सेवी संस्थाएं।

इकाई ५ : संस्कृत शिक्षा में नूतन प्रवृत्तियॉं- संस्कृत शिक्षा में ई-अधिगम, संगणकाधारित संस्कृतशिक्षण, MOOCS, E-PG Pathshala दूरस्थाशिक्षा के माध्यम से संस्कृत अध्ययन, पत्राचार से संस्कृत शिक्षा, संस्कृतशिक्षा में स्वाध्याय सामग्री (Kit)

सत्रीय कार्य : 25 अंक

1. संस्कृतभाषाधारित सामग्री का निर्माण
2. संस्कृत विकास विषय सम्बन्धित PPT
3. संस्कृत क्षेत्र में साहित्यसेवी सम्मान/पुरस्कार सम्बन्धित विवरणों का संकलन।
4. किसी एक संस्कृतपाठ पुस्तक की समीक्षा।
5. अपने-अपने राज्यानुसार संस्कृत संस्थाओं का व्यष्टिवृत्त अध्ययन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्व विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
2. त्रिपाठी, एल.बी. एवं भार्गव, हरप्रसाद, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा ।
3. गुप्ता, एस.पी., अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।
4. Pandey,K.P.,(2005) Fundamentals of Educational Research; Vishwavidyalaya Prakashan, Chowk, Varanasi.
5. Best, John W., (2000) Research in Education, Prentice Hall Inc, New Delhi.
6. Kerlinger, F.N., (2000) Foundations of Behavioural Research, Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi
7. Keeves, J.P., Educational Research Methodology and Measrement, International Handbook, Pergamon Press.
8. Pathak, R.P., Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.

प्रश्नपत्र - 10 - I प्रारम्भिक शिक्षा
(Elementary Education)

कोर्स कोड = 242 (i)
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य

- प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालयों के प्रभावपूर्ण नियोजन एवं संचालन की दक्षता विकसित करना ।
- समान स्तरीय संस्थाओं के साथ प्रारम्भिक शिक्षा के बीच सम्बन्धों के सम्प्रत्ययात्मक अवबोध का विस्तार करना
- आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम एवं अनुदेशनात्मक रणनीतियों के अभिकल्प हेतु कौशलों का विकास करना।
- प्रारम्भिक स्तर के कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये नवाचारी कौशलों को प्रोत्साहित करना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई १ : प्रारम्भिक शिक्षा स्तर की संरचना- अधिगमकर्त्ता, उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। प्रभावी शिक्षण अधिगम के आयोजन तथा प्रारम्भिक आवश्यकता आधारित शिक्षा कार्यक्रमों के विकास हेतु निहितार्थ।

इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा स्तर का पाठ्यक्रम - प्राथमिक तथा प्रारम्भिक स्तर के विद्यालयों के लिए आवश्यकता आधारित कार्य तथा NCF 2005 के तहत निर्मित पाठ्यक्रम (Package)। प्रारम्भिक स्तर के विषय क्षेत्र में सम्मिलित पाठ्यवस्तु की समीक्षा, RTE ACT ।

इकाई ३ : अधिगम उन्नयन एवं शिक्षण - प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षण अधिगम के रचनात्मक उपागम, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष शिक्षण अधिगम रणनीतियाँ और उनका विद्यालय की आन्तरिक तथा वाह्य अधिगम परिस्थितियों में अधिगमकर्ता द्वारा कार्य की शुरूआत करने की क्षमता का उन्नयन तथा उनका निहितार्थ।

इकाई ४ : प्रारम्भिक स्तर पर अधिगम संसाधन- अधिगम संसाधनों का विकास, समुदाय आधारित संसाधनों के अधिगम उपकरण, स्थान विशेष आधारित अधिगम सामग्री का विकास, अधिगम किट, अधिगम क्लब।

इकाई ५ : प्रारम्भिक शिक्षा में अभिकरण एवं नवाचारी प्रवृत्तियां - भारत में शिक्षा स्तरीय नीतियों तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सम्मिलित औपचारिक तथा अनौपचारिक अभिकरण । समाज के विभिन्न वर्गों में प्रेक्षित विसंगतियों के सुधार हेतु प्रयोग में लाये गये कुछ महत्वपूर्ण मध्यस्थता कार्यक्रम (Intervention)। कुछ महत्वपूर्ण मध्यस्थता कार्यक्रमों (Intervention) की समीक्षा यथा सर्वशिक्षा अभियान, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, निशुल्क बालिका शिक्षा।

25 अंक

सत्रीय कार्य -

1. प्रारम्भिक शिक्षा स्तर की वरीयताओं तथा कार्यक्रम में सुधार हेतु कार्य योजना का विकास।
2. प्रारम्भिक स्तर की चयनित संस्थाओं का व्यष्टि अध्ययन करना।
3. प्रारम्भिक स्तर की शीर्ष स्तरीय संस्थाओं का भ्रमण तथा संस्थागत पार्श्वचित्र का निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. लाल, रमण बिहारी एवं शर्मा, कृष्णकान्त (2010) भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएं आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986,1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, 2009 एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
4. पाठक, आर.पी.(2012) आधुनिक भारतीय शिक्षा की समस्याएं एवं समाधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भटनागर, सुरेश (2005) आधुनिक भारतीय शिक्षा और उनकी समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो. मेरठ,उ.प्र.।
6. Bhat, B.D. & Sharma, S.R (1992) Principles of Curriculum Construcation, Kanishka Publication House, New Delhi.
7. Mamidi, M.R & Ravishankar, S(1984) Curriculum Development & Educational Technology Sterling Publihers, New Delhi.

प्रश्नपत्र - 10 - II माध्यमिक शिक्षा
(Secondary Education)

कोर्स कोड = 242 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर की संस्थाओं के मुद्दों एवं चुनौतियो को हल करने हेतु विशेषज्ञ अध्यापकों का निर्माण करना।
- माध्यमिक स्तर की संस्थाओं द्वारा संचालित मध्यस्थता कार्यक्रमों के प्रभावकारी क्रियान्वयन हेतु दक्षता विकसित करना।
- माध्यमिक शिक्षा स्तर पर गुणवत्ता हेतु संवेदनशीलता विकसित करना।
- माध्यमिक स्तर पर नवाचारी प्रवृत्ति तथा मानसिकता युक्त अध्यापकों को तैयार करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई १ : भारत में माध्यमिक शिक्षा- भारत में माध्यमिक शिक्षा का महत्व, नीति निर्धारक संस्थायें एवं उनकी भूमिका। माध्यमिक स्तरीय शिक्षा के संदर्भ में विभिन्न आयोगों तथा समितियों की संस्तुतियों के परिणामों का संक्षिप्त पुनरावलोकन, उनका क्रियान्वयन तथा आवश्यकता आधारित परिवर्तन हेतु परिप्रेक्ष्य।

इकाई २ : माध्यमिक शिक्षा के अभिकरण- माध्यमिक शिक्षा में हमारा विद्यार्थी, उनकी आवश्यकताएँ तथा आकांक्षाएँ, माध्यमिक स्तरीय शिक्षा में परिवर्तन हेतु कार्य संस्कृति, उदीयमान परिदृश्य, माध्यमिक शिक्षा के लिये उत्तरदायी औपचारिक तथा अनौपचारिक अभिकरण । 21वीं सदी में उदीयमान सामाजिक - सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य के विस्तृत संदर्भ में माध्यमिक शिक्षा की भूमिका तथा कार्यों की समीक्षा।

इकाई ३ : माध्यमिक शिक्षा की विषयवस्तु तथा प्रक्रिया- माध्यमिक स्तर पर पाठयक्रम, क्रियान्वयन हेतु रणनीतियाँ,माध्यमिक शिक्षा में पाठ्यक्रम की संरचना को पुन: संरचित करने में NCF-2005 के

निहितार्थों का प्रयोग। विषय केन्द्रित बनाम अनुभव केन्द्रित पाठयक्रम उपागम, अधिगम क्षेत्र (Learning Space) तथा पाठयक्रम अभिकल्प निर्माण में रचनावादी उपागम के निहितार्थ।

इकाई - ४ : माध्यमिक शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु रणनीतियाँ-शैक्षिक रचनावादी उपागम के अन्तर्गत नये शैक्षिक प्रतिमानों (Paradigms) का प्रयोग, अप्रत्यक्ष शिक्षण अधिगम रणनीतियाँ, अधिगमकर्ता के पहल का उन्नयन सृजनात्मक तथा खोजपरक अधिगम प्रविधियों को प्रोत्साहन, स्थानीय ज्ञान तथा कौशल को विकसित करने हेतु समुदाय आधारित कार्यक्रम, माध्यमिक स्तर पर सुस्थित जीवन शैली कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु नौजवानों को अवसर प्रदान करना।

इकाई - ५ : माध्यमिक स्तर पर सूचना सम्प्रेषण तकनीकी- शिक्षण अधिगम संसाधन तथा समीक्षात्मक अवबोध-सूचना सम्प्रेषण तकनीकी द्वारा संचालित अधिगम केन्द्र तथा अधिगम हब अधिगमकर्त्ता द्वारा पोर्टफोलियो का विकास तथा अधिगम के उन्नयन के लिये प्रयास, बदलते हुए मूल्यांकन प्रतिमान (Paradigm) तथा प्रारूप, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन तथा पोर्टफोलियो मूल्यांकन,आत्म मूल्यांकन, साथियों द्वारा मूल्यांकन, अध्यापक मूल्यांकन तथा समुदाय आधारित मूल्यांकन, माध्यामिक स्तर पर सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (TQM), रणनीतिक नियोजन, स्वाच (SWOC) विश्लेषण तथा प्रभावशीलता हेतु जोहारी विन्डो का प्रयोग। आवश्यकता आधारित नेतृत्त्व शैली। क्रियान्वयन बनाम रूपान्तरण, नेतृत्त्व शैली, गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु प्रयोगपूर्ण परिस्थितिजन्य नेतृत्त्व शैली का विकास।

सत्रीय कार्य :- 25 अंक

1. विभिन्न संगठनों यथा- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद CBSE तथा विभिन्न शैक्षिणिक परिषदों द्वारा सहायित किसी विशिष्ट माध्यमिक स्तरीय संस्था का व्यष्टि अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तरीय संस्थाओं के सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्षों के SWOC विश्लेषण द्वारा विशिष्टताओं को उजागर करना।
3. प्रभावपूर्ण माध्यमिक स्तरीय संस्था की केस फाइल निर्माण तथा नवाचारी संस्थाओं के भ्रमण पर आधारित प्रतिवेदन बनाना।
4. माध्यमिक स्तरीय संस्था में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रभावी क्रियान्वयन पर क्रियात्मक अनुसन्धान परियोजना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. लाल, रमण बिहारी एवं शर्मा, कृष्णकान्त (2006) 21 वीं शताब्दी के सन्दर्भ में भारत में माध्यमिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।
2. रानी, नीलम एवं शर्मा, दीपक (2006) भारत में माध्यमिक शिक्षा का परिदृश्य , आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।
3. लाल, रमण बिहारी (2002) भारत में माध्यमिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।
4. शर्मा, आर.ए. (1995): सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी,आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
5. भटनागर सुरेश एवं कुमार संजय (2010) भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
6. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, 2009 एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

7.Bhat, B.D. & Sharma, S.R.(1992) Principles of Curriculum Construcation, Kanishka Publication House, New Delhi.

संस्था सम्बद्धता
(Institution Attachment)

कोर्स कोड = 243

कुल क्रेडिटस = 08
कुल अंक = 200

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	अवधि	अंक
243 - i	संस्था सम्बद्धता अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Eduction Institutional Attachment)	4 Weeks	100
243 - ii	संस्था सम्बद्धता विशेषज्ञता आधारित संस्थागत सम्बद्धता (Specialization based Institutional Attachment)	4 Weeks	100

दोनों संस्थागत सम्बद्धता हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियायें
(१०० अंक/ संस्था सम्बद्धता)

क्र.सं.	पाठ्यक्रमीय क्रियायें	अंक
(i)	स्थानबद्ध संस्था से सम्बन्धित अनुभवों का प्रेक्षण अभिलेख निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण प्रति सप्ताह।	20 (5+5+5+5)
(ii)	स्थानबद्ध संस्था का पार्श्वचित्र निर्माण। (अन्त में)	20
(iii)	स्थानबद्ध संस्था की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर आधारित आख्या प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)
(iv)	स्थानबद्ध संस्था के प्रशासनिक ढाँचे एवं कार्य प्रणाली पर प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)
(v)	स्थानबद्ध संस्था के अनुभवों पर आधारित विमर्शी प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

चतुर्थ सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500 कुल क्रेडिटस = 20+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/Weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		200	08	08	200
261	11	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	100	04	04	80
	11-क	प्रारम्भिक शिक्षा में (In Elemenatary Education)		75(E)+25(I)			
261-क i	11-क I	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
261-क ii	11-क II	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership)					
261-क iii	11-क III	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
		या (or)					
	11-ख	माध्यमिक शिक्षा में (In Secondary Education)					
261-ख i	11-ख I	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
261-ख ii	11-ख II	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership)					
261-ख iii	11-ख III	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
262	12	**ऐच्छिक-(निम्नलिखित में से कोई एक) (Optional-Any one of the following)**	वैकल्पिक (Elective)	100 75(E)+25(I)	04	04	80
261-(i)	12-I	मूल्य शिक्षा (Value Education)					
261-(ii)	12-II	योग शिक्षा (Yoga Education)					
261-(iii)	12-III	प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन (Philosophy & History of Ancient Education)					
261-(iv)	12-IV	मानवाधिकार (Human Rights)					
261-(v)	12-V	दूरस्थ शिक्षा (Distance Education)					
263		**लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)** लघु शोध प्रबन्ध= 150 मौखिकी= 50	**Field based research**				
271		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	160
(i)		विशिष्ट प्रकरण आधारित चयनित विषय पर व्यावहारिक कार्य।		20			
(ii)		चयनित वैकल्पिक विषय आधारित व्यावहारिक कार्य।		20			
(iii)		लक्ष्य समूह परिचर्चा एवं विमर्शी प्रतिवेदन।		20			
(iv)		पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र-प्रस्तुति।		20			
272		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	अनिवार्य **Compulsory**	50	2*	80% Attendance	
(i)		शैक्षिक भ्रमण					
(ii)		राष्ट्रीय या राज्य स्तरों की संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति					
(iii)		विशिष्ट व्याख्यान					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम					

प्रश्नपत्र - 11 - क. I प्रारम्भिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास
(Curriculum Development in Elementary Education)

कोर्स कोड = 261 क (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- पाठ्यक्रम के आधारभूत तत्त्वों एवं सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- पाठ्यक्रम विकास की चार अवस्थाओं यथा नियोजन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन से अवगत कराना।
- प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण करने की दक्षता विकसित करना।
- प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा में प्रयुक्त पाठ्यक्रमों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य की अपेक्षाओं के अनुरूप मूल्यांकन करने की दक्षता विकसित करना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई १ : पाठ्यक्रम एवं उसके आधार- .पाठ्यक्रम-अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत घटक, सिद्धान्त एवं प्रकार। प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा हेतु प्रयुक्त प्रकार। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य (NCF) - 2005 एवं प्रारम्भिक शिक्षा। पाठ्यक्रम के आधार-दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक।

इकाई २ : पाठ्यक्रम नियोजन- अभिप्राय, नियाजन के आधारभूत बिन्दु- विषय की प्रकृति, सामाजिक कारक, विकासात्मक कारक, शिक्षक सम्बन्धित कारक, संस्थागत कारक, पर्यावरणीय एवं अर्थशास्त्रीय कारक। प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर के पाठ्यक्रम नियोजन के मुख्य कारक।

इकाई ३ : पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया- अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निरूपण, विषयवस्तु निर्धारण, विषयवस्तु के सापेक्षित भार का विशिष्टीकरण, शिक्षण अधिगम व्यूह रचनाओं का चयन, सन्दर्भ ग्रन्थ सामग्रियों का चयन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का विशिष्टीकरण। प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा से सम्बन्धित किसी पाठ्यक्रम निर्माण पर आधारित दृष्टान्तीकरण।

इकाई ४ : पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान एवं क्रियान्वयन- चयनित प्रतिमान-(टाइलर प्रतिमान, ताबा प्रतिमान, सेलर और अलेक्जैन्डर, मिलर और सेलर प्रतिमान, रौजर्स प्रतिमान, ओपन क्लासरूप प्रतिमान) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन-विषयवस्तु विश्लेषण, इकाई अभिकल्पन और उपयुक्त प्रस्तुतीकरण माध्यम।

इकाई ५ : पाठ्यक्रम मूल्यांकन (प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के सन्दर्भ में)- अवधारणा, सूक्ष्म एवं बृहद स्तर, विधियाँ, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम मूल्यांकन। मानक एवं निकष संदर्भित उपागम आधारित पाठ्यक्रम मूल्यांकन। केन्द्रिय एवं राजकीय बोर्ड की प्रारम्भिक स्तर के पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।

25 अंक

सत्रीय कार्य -

1. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी एक विषय के उप-विषयों पर सापेक्षित भार के विशिष्टीकरण पर आधारित दत्त कार्य।
2. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय के पाठ्यक्रम की समीक्षा पर आधारित दत्त कार्य।
3. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण।
4. विभिन्न शिक्षा बोर्ड के प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी कक्षा के पाठ्यक्रम का तुलनात्मक

अध्ययन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाल, हंसराज एवं पाल, राजेन्द्र, (2006) पाठ्यचर्या कल आज और कल, शिप्रा पब्लिकेशन, विकास मार्ग, दिल्ली
2. यादव सियाराम, (2008) पाठ्यक्रम विकास, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा -2
3. पाण्डेय, के.पी. (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. गुप्ता, एस.सी. (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
5. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2012) पाठ्यचर्या निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
6. NCF-2005, 2009, NCERT, New Delhi
7. Bhutt B.D. And Sharma, S.R., (1992) Principles of Curriculum Construction, Kanishka Publishing House, New Delhi.
8. Aggarwal, J.C., (1990) Curriculum Reforms in India, Doaba House Delhi
9. Manidi M.R. and Ravishankar S., (1984) Curriculum Development And Education Technology, Sterling Publisher, New Delhi.

प्रश्नपत्र - 11 - क II प्रारम्भिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व
(Educational Management & Leadership in Elementary Education)

कोर्स कोड = 261 क (ii) — कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

उद्देश्य

- प्रारम्भिक स्तर पर शैक्षिक प्रबन्धन की नीतियों एवं सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- शैक्षिक प्रबन्धन के कार्यों- नियोजन, संगठन, नियंत्रण, अनुश्रवण एवं समन्वय की दक्षता विकसित करना।
- प्रारम्भिक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबन्धन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — **75 अंक**

इकाई १ : प्रारम्भिक शिक्षा में प्रबन्धन- अवधारणा, उद्देश्य, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, प्रक्रिया, तत्व एवं प्रबन्धन के सिद्धान्त।

इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा में प्रबन्धन से सम्बन्धित प्रकार्य (विद्यालय एवं कक्षा के स्तरों पर)- नियोजन - अर्थ, प्रक्रिया एवं प्रकार , संगठन- अर्थ एवं प्रक्रिया, अनुश्रवण एवं समन्वय- प्रक्रिया एवं महत्व। प्रतिवेदन तथा बजट निर्माण- प्रक्रिया एव आवश्यकता।

इकाई ३ : प्रारम्भिक शिक्षा से सम्बन्धित संस्थाएं एवं कार्यक्रम- संस्थाएं - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT), जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान (DIET), ब्लाक रिर्सोस सेंटर (BRC), क्लस्टर रिसोर्स सेंटर (CRC) के मध्य समन्वय एवं समस्याएं। कार्यक्रम- सर्व शिक्षा अभियान (SSA),

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (DPEP), राष्ट्रीय प्रारम्भिक शिक्षा मिशन (NEEM) - समस्याएं एवं उनका निहितार्थ।

इकाई ४ : प्रारम्भिक शिक्षा के प्रबन्धन में नेतृत्व- नेतृत्व की अवधारणा, शैली, नेतृत्व के प्रकार- एकतान्त्रिक, प्रजातान्त्रिक और हस्तक्षेप रहित। नेतृत्व के सिद्धान्त- परिस्थित्यात्मक एवं मैनेजिरियल ग्रिड सिद्धान्त, शैक्षिक-प्रबन्धन में सिद्धान्तों की उपयोगिता। परिस्थितिगत नेतृत्व एवं प्रभावी प्रबन्धन हेतु उपयोग।

इकाई ५ : प्रबन्धन में क्षमता संवर्द्धन- प्रारम्भिक स्तर के प्रबन्धन में प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों की क्षमता विकास के संकेतक (Performance Indicators)। मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त प्रविधियां- स्वाच विश्लेषण (SWOC), सतत् विकास परक मूल्यांकन, केजनिंग तथा क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा क्षमता विकास।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखि में से कोई दो **25 अंक**

1. विद्यालय या कक्षा आधारित स्वाट विश्लेषण एवं प्रतिवेदन।
2. प्रारम्भिक शिक्षा में सम्बन्धित किसी एक संस्था के प्रयासों/ कार्यक्रम/ अभियान की समीक्षा आधारित दत्त कार्य।
3. विद्यालय स्तरीय प्रबन्धन से सम्बन्धित संमस्याओं पर परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सुखिया एस.पी., (1996) विद्यालय प्रशासन एवं संगठन- विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. कुदेसिया, उमेश चन्द्र, (1995) शिक्षा प्रशासन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. प्रसाद, केशव, (1998) विद्यालय व्यवस्था, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. भारद्वाज, दिनेश चन्द्र, (2000) विद्यालय प्रशासन, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा ।
5. शर्मा, देव दत्त, (2001) शैक्षिक प्रबन्धन के मूल तत्त्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. जोशी, रजनी, (2000) विद्यालय प्रशासन एवं प्रबन्धन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।
7. मुख्योपाध्याय, एम., (2003) टोटल क्वालिटी मैनेजमेण्ट इन एजूकेशनः (हिन्दी एवं अंग्रेजी) नीपा, नई दिल्ली।
8. पाठक, आर.पी., (2010) शैक्षिक प्रबन्धन, राधा प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
9. Bhatnagar & Agrawal, (2005) Education Administration, Loyal Book Depot, Meerut.

प्रश्नपत्र - 11 - क III प्रारम्भिक शिक्षा में अधिगम आकलन
(Assessement of Learning in Elementary Education)

कोर्स कोड = 261 क (iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- प्रारम्भिक शिक्षा में मापन, आकलन एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत कराना।
- प्रारम्भिक शिक्षा में संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर योग्यताओं के आकलनार्थ उपकरणों से परिचित कराना।
- प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय हेतु उपलब्धि परीक्षण निर्माण क्षमता का विकस कराना।

- प्रारम्भिक शिक्षा में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप एवं कार्ययोजनाओं के प्रयोग की दक्षता विकसित करना।
- प्रारम्भिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली का राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के सन्दर्भ में सुधारात्मक प्रयासों को- जानना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई १ : मापन, आकलन एवं मूल्यांकन - अवधारणा, उद्देश्य, महत्व कार्य एवं अन्तर। शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया- उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम क्रियाओं का आयोजन एवं व्यवहार परिवर्तन। मूल्यांकन के प्रकार- निदानात्मक, संरचनात्मक एवं योगात्मक (अभिप्राय, विशेषताएं, विधियाँ एवं अन्तर)।

इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा में मापन एवं आकलन के उपकरण- मापन के उपकरण एवं उनकी विशेषताएं। निष्पादन आकलन-अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं। पोर्टफोलियो आकलन- अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं।

इकाई ३ : प्रारम्भिक शिक्षा में उपलब्धि परीक्षण निर्माण- योजना बनाना, ब्लू प्रिन्ट निर्माण, प्रश्नपत्र तैयार करना, प्रशासन, परिणामों का विश्लेषण। मानक एवं निकष संदर्भित परीक्षण (NRT & CRT) - अभिप्राय, अन्तर एवं प्रारम्भिक स्तर पर अनुप्रयोग।

इकाई ४ : सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन- अवधारणा; ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, महत्व एवं प्रकार्य। प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा हेतु कार्ययोजनाएं। संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर पक्षों पर आधारित सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप। शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के आधार पर प्रतिपुष्टि प्रदान करने की युक्तियाँ।

इकाई ५ : परीक्षा प्रणाली में नवाचार एवं परीक्षा सुधार- प्रारम्भिक शिक्षा में प्रचलित शिक्षा प्रणाली। नवाचार-ग्रेड प्रणाली, प्रश्न बैंक, अंक प्रणाली। परीक्षा सुधार के आयाम- लिखित, मौखिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं एवं उनके संचालन व साधनों के प्रयोग में सुधार। परीक्षा सुधार के सिद्धान्त एवं उसके बाधक तत्व। राष्ट्रीय समितियों के सन्दर्भ में परीक्षा सुधार- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)- 1986-1992, यशपाल समिति एवं राममूर्ति समिति (प्रारम्भिक शिक्षा के सुधार के परिप्रेक्ष्य में)।

सत्रीय कार्य - निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा में अध्यापित किसी एक विषय पर उपलब्धि परीक्षण निर्माण।
2. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न मापन एवं मूल्यांकन विधियों पर आधारित दत्त कार्य।
3. प्रारम्भिक स्तर के संज्ञानेत्तर पक्षों के मूल्यांकन पर आधारित परीक्षण निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. गुप्ता, एस.पी., (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. अस्थाना, विपिन, (1999) मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. भार्गव, महेश, (1990) आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक डिपो, आगरा।
4. पाण्डेय, के.पी., (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. शर्मा, आर. ए. (2002) शिक्षा मापन के मूल तत्व एवं सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
6. राष्ट्रिय शिक्षा नीति- 1986, 1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
7. प्रो. यशपाल समिति 1991-92 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली

8. प्रो. राममूर्ति समिति- 1991 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
9. MehtaVI, First Mental Measurement Handbook for NCERT, New Delhi. The concept of Evaluation in Education, NCERT, New Delhi.
10. Edward, (1969) Technique of Attitued Scale Construcation Valkcils Felhter and Simmon Pvt. Ltd. Bombay.
11. Thorndike And Hagen , (1970) Measurement of Evaluation in Psychology and Education: Wiley Easten Pvt. Ltd., New Delhi.
12. Anastassi, (1982) Psychological Testing : Mc Millan Company, New York.
13. Bloom et.al., (1956) Taxonomy of Education Objectives, Hand Book I David Mc kay Company New Delhi.
14. Simpson, (1988) The Classification of Education Objectives, Pyschlomotor Domain Illinois Teachers of Home Economics.
15. Lindquist, Educational Measuremant, American Council on Education, Washingon, D.C, U.S.
16. Pathak, R.P. (2010) Measurement and Evaluation in Education, Pearson Publication, New Delhi
17. UGC Examination Reform: A Plan of Action-1992

प्रश्नपत्र - 11 ख - I माध्यमिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास
(Curriculum Development in Secondary Education)

कोर्स कोड = 261 ख (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- पाठ्यक्रम के आधारभूत तत्त्वों एवं सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- पाठ्यक्रम विकास की चार अवस्थाओं यथा नियोजन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन से अवगत कराना।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण करने की दक्षता विकसित करना।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में प्रयुक्त पाठ्यक्रमों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य की अपेक्षाओं के अनुरूप मूल्यांकन करने की दक्षता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : पाठ्यक्रम एवं उसके आधार- पाठ्यक्रम-अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत घटक, सिद्धान्त एवं प्रकार। माध्यमिक स्तर की शिक्षा हेतु प्रयुक्त प्रकार। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना (NCF) - 2005 एवं माध्यमिक शिक्षा। पाठ्यक्रम के आधार-दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक।

इकाई २ : पाठ्यक्रम नियोजन- अभिप्राय, नियोजन के आधारभूत बिन्दु- विषय की प्रकृति सामाजिक, विकासात्मक कारक, शिक्षक सम्बन्धित कारक, संस्थागत कारक, पर्यावरणीय एवं अर्थशास्त्रीय कारक। माध्यमिक शिक्षा के स्तर के पाठ्यक्रम नियोजन के मुख्य कारक।

इकाई ३ : पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया- अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निरूपण, विषयवस्तु निर्धारण, विषयवस्तु के सापेक्षित भार का विशिष्टीकरण, शिक्षण अधिगम व्यूह रचनाओं का चयन, सन्दर्भ ग्रन्थ सामग्रियों का चयन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का विशिष्टीकरण, माध्यमिक स्तर की शिक्षा से सम्बन्धित किसी पाठ्यक्रम निर्माण पर आधारित दृष्टान्तीकरण।

इकाई ४ : पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान एवं क्रियान्वयन- चयनित प्रतिमान-(टाइलर प्रतिमान, ताबा प्रतिमान, सेलर और अलेक्जैन्डर, मिलर और सेलर प्रतिमान, रोजर्स प्रतिमान, ओपन क्लासरूप प्रतिमान) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन-विषयवस्तु विश्लेषण, इकाई अभिकल्पन और उपयुक्त प्रस्तुतीकरण माध्यम।

इकाई ५ : पाठ्यक्रम मूल्यांकन (माध्यमिक स्तर की शिक्षा के सन्दर्भ में)- अवधारणा, सूक्ष्म एवं बृहद स्तर, विधियाँ, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम मूल्यांकन। मानक एवं निकष संदर्भित उपागम आधारित पाठ्यक्रम मूल्यांकन। केन्द्रियें एवं राजकीय बोर्ड की माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।

सत्रीय कार्य - **25 अंक**

1. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी एक विषय के उप-विषयों पर सापेक्षित भार के विशिष्टीकरण पर आधारित दत्त कार्य।
2. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय के पाठ्यक्रम की समीक्षा पर आधारित दत्त कार्य।
3. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण।
4. विभिन्न शिक्षा बोर्ड के माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी कक्षा के पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन आधारित दत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी. (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. गुप्ता, एस.सी. (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
3. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) पाठ्यचर्या, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पाल, हंसराज एवं पाल, राजेन्द्र, (2006) पाठ्यचर्या कल आज और कल, शिप्रा पब्लिकेशन, विकास मार्ग, दिल्ली
5. यादव सियाराम, (2008) पाठ्यक्रम विकास, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा -2
6. Bhutt B.D. And Sharma, S.R., (1992) Principles of Curriculum Construction, Kanishka Publishing House,New Delhi
7. Aggarwal, J.C., (1990) Curriculum Reforms in India, Doaba House Delhi
8. Manidi M.R. and Ravishankar S., (1984) Curriculum Development And Education Technology, Sterling Publisher, New Delhi.
9. NCF- 2005, 2009, NCERT, New Delhi

प्रश्नपत्र - 11 – ख II माध्यमिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व
(Educational Management & Leadership in Secondary Education)

कोर्स कोड = 261ख (ii) कुल क्रेडिटस = 04
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर पर शैक्षिक प्रबन्धन की नीतियों एवं सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- शैक्षिक प्रबन्धन के कार्यों- नियोजन, संगठन, अनुश्रवण एवं समन्वय की दक्षता विकसित करना।
- माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबन्धन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : माध्यमिक शिक्षा में प्रबन्धन- अवधारणा, उद्देश्य, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, प्रक्रिया, तत्व एवं प्रबन्धन के सिद्धान्त।

इकाई २ : माध्यमिक शिक्षा में प्रबन्धन से सम्बन्धित प्रकार्य (विद्यालय एवं कक्षा के स्तरों पर)- नियोजन - अर्थ, प्रक्रिया एवं प्रकार , संगठन- अर्थ एवं प्रक्रिया, अनुश्रवण एवं समन्वय- प्रक्रिया एवं महत्व। प्रतिवेदन तथा बजट निर्माण- प्रक्रिया एंव आवश्यकता।

इकाई ३ : माध्यमिक शिक्षा से सम्बन्धित संस्थाएं एवं कार्यक्रम- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान (SIERT), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय शिक्षा संस्थान (NIOS), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) राज्य शिक्षा बोर्ड (SBE) से सम्बन्धित अभियान एवं कार्यक्रम- समस्याएं एवं उनका निहितार्थ।

इकाई ४ : माध्यमिक शिक्षा के प्रबन्धन में नेतृत्व- नेतृत्व की अवधारणा, शैली, नेतृत्व के प्रकार- एकतान्त्रिक प्रजातान्त्रिक और हस्तक्षेप रहित। नेतृत्व के सिद्धान्त- परिस्थित्यात्मक एवं मैनेजिरियल ग्रिड सिद्धान्त, शैक्षिक-प्रबन्धन में सिद्धान्तों की उपयोगिता। परिस्थितिगत नेतृत्व एवं प्रभावी प्रबन्धन हेतु उपयोग।

इकाई ५ : प्रबन्धन में क्षमता संवर्द्धन- माध्यमिक स्तर के प्रबन्धन में प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों की क्षमता विकास के संकेतक (Performance Indicators)। मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त प्रविधियां- स्वाच विश्लेषण (SWOC), सतत् विकास परक मूल्यांकन, केजनिंग तथा क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा क्षमता विकास।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. विद्यालय या कक्षा आधारित स्वाच विश्लेषण एवं प्रतिवेदन।
2. माध्यमिक शिक्षा में सम्बन्धित किसी एक संस्था के प्रयासों/ कार्यक्रम/ अभियान की समीक्षा आधारित दत्त कार्य।
3. विद्यालय स्तरीय प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्याओं पर परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सुखिया एस.पी., (1996) विद्यालय प्रशासन एवं संगठन- विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. कुदेसिया, उमेश चन्द्र, (1995) शिक्षा प्रशासन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. प्रसाद, केशव, (1998) विद्यालय व्यवस्था, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. भारद्वाज, दिनेश चन्द्र, (2000) विद्यालय प्रशासन, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा ।
5. शर्मा, देव दत्त, (2001) शैक्षिक प्रबन्धन के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. जोशी, रजनी, (2000) विद्यालय प्रशासन एवं प्रबन्धन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।
7. मुख्योपाध्याय, एम., (2003) टोटल क्वालिटी मैनेजमेण्ट इन एजूकेशन: (हिन्दी एवं अंग्रेजी) चीपा, नई दिल्ली।
8. पाठक, आर.पी., (2010) शैक्षिक प्रबन्धन, राधा प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
9. भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2013) विद्यालयी शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान, आकांक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली
10. Bhatnagar & Agrawal, (2005) Education Administration, Loyal Book Depot, Meerut.

प्रश्नपत्र - 11 – ख III माध्यमिक शिक्षा में अधिगम आकलन
(Assessement of Learning in Secondary Education)

कोर्स कोड = 261ख (iii)
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य

- माध्यमिक शिक्षा में मापन, आकलन एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत कराना।
- माध्यमिक शिक्षा में संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर योग्यताओं के आकलनार्थ उपकरणों से परिचित कराना।
- माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय हेतु उपलब्धि परीक्षण निर्माण क्षमता का विकस कराना।
- माध्यमिक शिक्षा में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप एवं कार्ययोजनाओं के प्रयोग की दक्षता विकसित करना।
- माध्यमिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली का राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के सन्दर्भ में सुधारात्मक प्रयासों को जानना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई १ : मापन, आकलन एवं मूल्यांकन - अवधारणा, उद्देश्य, महत्व कार्य एवं अन्तर। शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया- उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम क्रियाओं का आयोजन एवं व्यवहार परिवर्तन। मूल्यांकन के प्रकार- निदानात्मक, संरचनात्मक एवं योगात्मक (अभिप्राय, विशेषताएं, विधियाँ एवं अन्तर)।

इकाई २ : माध्यमिक शिक्षा में मापन एवं आकलन के उपकरण- मापन के उपकरण एवं उनकी विशेषताएं। निष्पादन आकलन-अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं। पोर्टफोलियो आकलन- अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग गुण एवं सीमाएं।

इकाई ३ : माध्यमिक शिक्षा में उपलब्धि परीक्षण निर्माण- योजना बनाना, ब्लू प्रिन्ट निर्माण, प्रश्नपत्र तैयार करना, प्रशासन, परिणामों का विश्लेषण। मानक एवं निकष संदर्भित परीक्षण (NRT & CRT) - अभिप्राय, अन्तर एवं माध्यमिक स्तर पर अनुप्रयोग।

इकाई ४ : सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन- अवधारणा, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, महत्व एवं प्रकार्य। माध्यमिक स्तर की शिक्षा हेतु कार्ययोजनाएं। संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर पक्षों पर आधारित सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप। शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के आधार पर प्रतिपुष्टि प्रदान करने की युक्तियाँ।

इकाई ५ : परीक्षा प्रणाली में नवाचार एवं परीक्षा सुधार- माध्यमिक शिक्षा में प्रचलित शिक्षा प्रणाली। नवाचार-ग्रेड प्रणाली, प्रश्न बैंक, अंक प्रणाली। परीक्षा सुधार के आयाम- लिखित, मौखिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं एवं उनके संचालन व साधनों के प्रयोग में सुधार। परीक्षा सुधार के सिद्धान्त एवं उसके बाधक तत्व। राष्ट्रीय समितियों के सन्दर्भ में परीक्षा सुधार- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)- 1986-1992, माध्यमिक शिक्षा आयोग, आदि (माध्यमिक शिक्षा के सुधार के परिप्रेक्ष्य में)।

25 अंक

सत्रीय कार्य -

1. माध्यमिक स्तर की शिक्षा में अध्यापित किसी एक विषय पर उपलब्धि परीक्षण निर्माण।
2. माध्यमिक स्तर की शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न मापन एवं मूल्यांकन विधियों पर आधारित दत्त कार्य।
3. माध्यमिक स्तर के संज्ञानेत्तर पक्षों के मूल्यांकन पर आधारित परीक्षण निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. गुप्ता, एस.पी., (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. अस्थाना, विपिन, (1999) मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. भार्गव, महेश, (1990) आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक डिपो, आगरा।
4. पाण्डेय, के.पी., (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. शर्मा, आर. ए. (2002) शिक्षा मापन के मूल तत्व एवं सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ।
6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 एवं 1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली।
7. माध्यमिक शिक्षा आयोग 1952-53; भारत सरकार, नई दिल्ली।
8. MehtaVI, First Mental Measurement Handbook for NCERT, New Delhi. The concept of Evaluation in Education, NCERT, New Delhi.
9. Edward, (1969) Technique of Attitued Scale Construcation Valkcils Felhter and Simmon Pvt. Ltd. Bombay.
10. Thorndike And Hagen , (1970) Measurement of Evaluation in Psychology and Education: Wiley Easten Pvt. Ltd., New Delhi.
11. Bloom et.al., (1956) Taxonomy of Education Objectives, Hand Book I David Mc kay Company New Delhi.
12. Simpson, (1988) The Classification of Education Objectives, Pyschlomotor Domain Illinois Teachers of Home Economics.
13. Ebel, (1965) Measuring Educational Achievement, Prentice Hall, New Delhi
14. Lindquist, Educational Measuremant, American Council on Education, Washingon, D.C, U.S.
15. Pathak, R.P. (2010) Measurement and Evaluation in Education, Pearson Publication, New Delhi
16. UGC Examination Reform: A Plan of Action-1992

प्रश्नपत्र - 12 - I मूल्य शिक्षा
(Value Education)

कोर्स कोड = 262 (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय संस्कृति एवं परम्परा में अधिमान्य मूल्यों की निर्धारण प्रक्रिया के प्रति संवदेनशीलता विकसित करना।
- भारतीय वाङ्मय में मूल्यों तथा मूल्य निर्धारण के मानकों का आधुनिक संदर्भ में उपयोग के प्रति अभिप्रेरित करना।
- भारतीय संविधान में निहित मूल्यों के संवर्धन हेतु आपेक्षित कौशलों का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : मूल्य शिक्षा- स्वरूप, उद्देश्य तथा विकास, मानवीय मूल्यों की अवधारणा (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में) आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्व, मूल्यपरक शिक्षा का विकास, विभिन्न आयोगों एवं समितियों की संस्तुतियाँ। मूल्यों का वर्गीकरण-शैक्षिक, संवैधानिक, सामाजिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्य, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) के अनुसार मूल्य सूची, सार्वभौमिक मूल्य।

इकाई २ : मूल्यों के सोत्र- संवैधानिक सोत्र (हमारे संविधान की प्रस्ताव्रना, शिक्षा सम्बन्धी संवैधानिक प्रावधान, संविधान के माध्यम से मूल्यों का विकास) धार्मिक सोत्र (धार्मिक मूल्य, धर्म के माध्यम से मूल्यों का विकास)

इकाई ३ : नैतिक शिक्षा- भारतीय सन्दर्भ - पुरूषार्थ, पंचकोश, सत्चित् आनन्द, धार्मिक तथा नैतिक आचरण एवं आधार संहिता से तात्पर्य, राष्ट्रीय एकता के लिये नैतिक शिक्षा।

इकाई ४ : मूल्य शिक्षा की विधियाँ- परोक्ष मूल्य सूचक (लक्ष्य, आकांक्षाएं, अभिवृत्तियाँ, रूचियाँ, भावनाएं, विश्वास व दृढ धारणाएं, क्रियाएं, चिन्ताएं, बाधाएं) भाषा शिक्षण द्वारा मूल्यों की शिक्षा, प्रत्यक्ष मूल्य शिक्षण की विधियाँ - पाठ्यसहगामी क्रियाओं द्वारा मूल्यशिक्षा, मूल्य शिक्षा की एकीकरण विधियाँ- भूमिका निर्वहन विधि, अनुरूपीकरण, मूल्य स्पष्टीकरण विधि, कहानी प्रस्तुतीकरण विधि, मूल्य विश्लेषण विधि, चर्चा विधि और जीवनी पठन विधि।

इकाई ५ : राष्ट्रीय एकता के लिये मूल्य परक शिक्षा- राष्ट्रीय एकता की अवधारणा, आवश्यकता, स्वरूप, नीतियाँ एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कठिनाइयाँ। राष्ट्रीय एकीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के विकास में मूल्यपरक शिक्षा की भूमिका। विद्यालयों के विभिन्न स्तरों के लिये मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम, उद्देश्य, पाठ्यवस्तु एवं चयन के नियम। पटेल समिति के सुझाव। मूल्य शिक्षा का अन्य विषयों से सम्बन्ध। वर्तमान पाठ्यक्रम में मूल्य शिक्षा का स्थान।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. विद्यालयी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में समाहित मूल्यों का विश्लेषण-कतिपय चयनित विद्यालयों के सन्दर्भ में।
2. भारतीय वाङ्मय में निहित मूल्यों का वर्तमान संदर्भ में निहितार्थ आधारित संगोष्ठी एवं प्रतिवेदन निर्माण।
3. विद्यालयों में प्रवर्तित क्रियाकलापों एवं गतिविधियों के अन्तर्गत मूल्यपरक दृष्टि विकसित करने के प्रयासों का व्यष्टि अध्ययन।
4. मूल्य आधारित शिविरों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा विकसित करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (2005)शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. जैश्री, मूल्य, (2008) पर्यावरण और मानव अधिकार की शिक्षा ,शिप्रा प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली।
3. गुप्त, नत्थूलाल, (2005) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, रश्मि, खण्डाई, हेमन्त, (2011) मूल्य शिक्षा, ए.पी. एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई दिल्ली।
5. झा, नागेन्द्र, (2012) प्राचीन एवं अर्वाचीन शिक्षा पद्धति, अभिषेक प्रकाशन, पीतमपुरा।
6. पाठक, आर.पी.,(2011) प्राचीन भारतीय शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
7. पाण्डेय, रामशकल (2005) मूल्य शिक्षा के परिप्रेक्ष्य, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
8. शर्मा, आर.ए. (2002) मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
9. डागर, बी.एम. (1995) मूल्य शिक्षा, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ एकादमी, चंडीगढ।

प्रश्नपत्र - 12 - II योग शिक्षा
(Yoga Education)

कोर्स कोड = 262 (ii) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य

- योगदर्शन के तत्त्वमीमांसकीय आधारों से परिचित कराना।
- शारीरिक एवं मानसिक समन्वय द्वारा आध्यात्मिक उपलब्धि में योग की प्रासंगिकता का ज्ञान कराना।
- बहु आयामी व्यक्तित्व के निर्माण में योग का सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट करना।
- योग की वैज्ञानिकता एवं उपशामक क्षमता का परिज्ञान कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई १ : योग तत्त्वमीमांसकीय आधार- पुरुष की अवधारणा, ब्राह्मण्ड की वास्तविकता। प्रकृति एवं मौलिक तत्त्व के रूप में। सर्ग की अवधारणा एवं प्रक्रिया। बुद्धि (महत) और अहंकार की अवधारणा, प्रकृति, वैयक्तिक मौलिक तत्त्व के रूप में। अहंकार एवं गुणत्रय- मन, कर्मेन्द्रियाँ और तन्मात्राएँ-ज्ञान की प्रकृति और प्राप्त करने की प्रक्रिया-प्राणायाम। योग का दर्शन, वैयक्तिक एवं सामाजिक अन्वय में संबन्ध- योग की अवधारणा, स्वस्थ और एकीकृत जीवन-यापन हेतु योग, मानव के सामाजिक-नैतिक उन्नयन हेतु योग। आध्यात्मिक विकास और जागरूकता हेतु योग।

इकाई २ : योग पद्धतियों के प्रकार-योगियों की विशेषताएँ- भारत में प्रचलित योग पद्धतियां, पतंजलि का अष्टाङ्ग योग, भगवद्गीता में ज्ञान, भक्ति और कर्म योग का स्वरूप।

इकाई ३ : योग का साधना प्रतिपद- यम-नियम-आसन-प्राणायाम-प्रत्याहार-धारणा-ध्यान और समाधि।

इकाई ४ : योग का वैज्ञानिक आधार- योग और मानसिक स्वास्थ्य। योगिक और जैविक पृष्ठपोषण। योग द्वारा उपशमन (उपचार), विभिन्न आसनों और उनके प्रभाव से शरीर और मन को स्वस्थ्य रखना। ध्यान और इसके द्वारा उपशमन (उपचार)।

इकाई ५ : योग अनुसंधान, एवं सुस्थित जीवन शैली- योगशिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान की आवश्यकता, अनुसंधान के क्षेत्र अन्तर्विद्यापरक शोध की योगशिक्षा के क्षेत्र में प्रासंगिकता।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. अष्टांग योग पद्धति की प्रांसगिकता पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. सुस्थिर जीवन शैली जिसमें सफल संमजन एवं तनाव प्रबन्धन सम्मिलित हो को दृष्टिगत रखते हुए विशिष्ट कार्यक्रम अभिकल्पित/प्रस्तवित करना।
3. योग शिक्षा का मानसिक स्वास्थ्य में योग दान पर कार्यशाला आयोजित करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पंतन्जलि योग दर्शन
2. स्वामी अद्वैतानंद - योग विचार

3. शुक्ला डॉ. - योग शिक्षा
4. सिलोडी, महेश प्रसाद (2008) योगामृतम्, मान्यता प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सिलोडी, महेश प्रसाद (2013) योगामृतम् एवं सिद्धान्त अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विश्नोई, उन्नति (2010) योग शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
7. वैद्य, कुमार राजेश एवं कुमार विजय (2008) योग शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।

प्रश्नपत्र - 12 - III प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन
(Philosophy & History of Ancient Education)

कोर्स कोड = 262 (iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय शिक्षा के दार्शनिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की वर्तमान समस्याओं का समीक्षात्मक अवबोध विकसित कराना।
- भारतीय दर्शन में समाविष्ट पद्धतियों एवं मूल्यों का आधुनिक संदर्भ में निहितार्थों का अवलोकन करना।
- भारतीय वाङ्मय में चर्चित व्यवस्थाओं एवं मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई १ : प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं दर्शन का उद्गम और विकास- वेद, उपनिषद् एवं अन्य प्राचीन भारतीय वाङ्मय के संदर्भ में। भारतीय दर्शन-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों की दृष्टि। भारतीय दर्शन की समग्र दृष्टि-वैदिक, औपनिषदिक, न्याय वैशेषिक, सांख्य योग, वेदान्त, चार्वाक जैन, तथा बौद्ध।

इकाई २ : प्राचीन भारतीय शिक्षा और आध्यात्मिकता- प्राचीन भारतीय शिक्षा के परिवर्तनशील उद्देश्य। युगानुरूप मूल्यों के साथ सम्बद्धता। प्राचीन भारतीय शिक्षा के शैक्षिक संस्कार एवं उनकी प्रासंगिकता-समावर्तन, उपनयन आदि।

इकाई ३ : प्राचीन भारतीय शिक्षा के विभिन्न आयाम- शिक्षक स्वरूप, दायित्व, शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध, पाठ्यक्रम, शिक्षणविधि।

इकाई ४ : प्राचीन भारतीय शिक्षा में विविधता व्यावसायिक शिक्षा, स्त्री शिक्षा, कला शिक्षा, विज्ञान की शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा आयुर्वेद ज्योतिष एवं पौरोहित्य के विशेष सन्दर्भ में। प्राचीन भारतीय शिक्षादर्शन की सामाजिक अवधारणा-वर्णाश्रम का स्वरूप, शिक्षा पर प्रभाव (विभिन्न स्मृतियों के सन्दर्भ में)।

इकाई ५ : प्राचीन भारतीय शैक्षिक मूल्यों की वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिकता- विश्व के अनेक धर्मो एवं उनके उपयोगी तत्त्वों का प्राचीनभारतीय शैक्षिकविचारधारा मे अन्तर्भाव। विश्वकल्याण एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का विकास।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. भारतीय दर्शन में परिलक्षित विषय पर संगोष्ठी आयोजित करना।(संगोष्ठी का मुख्य प्रयोजन भारतीय चिंतन में समग्रता के अर्थ को समझना।

2. उपनिषदों में वर्णित कथानकों/उपाख्यानों का संकलन करना।

3. भारतीय वाङमय में विवेचित मूल्यों की प्रांसगिकता पर आधारित कार्यशाला।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाठक, आर.पी.,(2010)प्राचीन भारतीय शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
2. पाठक, आर.पी, (2009)भारतीय परम्परा में शैक्षिक चिन्तन, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. झा, नगेन्द्र,(1995) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति, वेकटेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मिश्र, भास्कर, (1997)-शिक्षा एवं संस्कृति-नये सन्दर्भ, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. पाठक, आर.पी, एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2013) वेदान्त शिक्षा दर्शन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. पाण्डेय, रामशक्ल (2005) मूल्य शिक्षा के परिप्रेक्ष्य,, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
7. शर्मा, आर.ए. (2002) मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।

प्रश्नपत्र - 12 - IV मानवाधिकार शिक्षा
(Human Rights Education)

कोर्स कोड = 262 (iv) कुल क्रैडिटस = 04
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा एवं आवश्यकता से परिचित कराना।
- भारत में मानवाधिकारों के विकास तथा संविधान में वर्णित अधिकारों का ज्ञान कराना।
- मानवाधिकार शिक्षण की विभिन्न विधियों से परिचित कराकर उनके प्रयोग में सक्षम बनाना।
- मानवाधिकार शिक्षा में विभिन्न संस्थाओं तथा संसाधनों की भूमिका से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : मानवाधिकार शिक्षा तथा विकास- अवधारणा (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में) आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व, मानवाधिकारों का विकास। मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा पत्र तथा मानवाधिकार सम्मेलन- मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा पत्र में वर्णित अधिकार-समानता, शिक्षा, जीवन, स्ववंन्त्रता तथा सम्मान, आर्थिक, राजनैतिक तथा सामाजिक अधिकार, प्रमुख मानवाधिकार सम्मेलनों (conventions) का परिचय तथा उनके द्वारा किये गये मानवाधिकार संरक्षण के प्रयास।

इकाई २ : भारत में मानवाधिकार- भारत में मानवाधिकारों का विकास, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, संविधान में वर्णित मूलभूत अधिकार तथा नीति निर्देशक सिद्धान्त।

इकाई ३ : विशिष्ट वर्गों के मानवाधिकार - बालकों के शोषण के विरूद्ध अधिकार, अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा सुविधा वंचित वर्गो के अधिकार।

इकाई ४ : मानवाधिकार शिक्षण की विधियाँ तथा व्यूहरचनायें - भूमिका निर्वाह, अनुरूपण, व्यक्तिवृत्त अध्ययन, वाद-विवाद, मस्तिष्क मंथन, मूल्य स्पष्टीकरण।

इकाई ५ : भारत में मानवाधिकार के सम्बन्ध में किये गये प्रयास तथा कार्यरत विभिन्न संस्थाएं एवं संसाधन- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग तथा महिला आयोग के कार्य, बालश्रम कानून आदि। अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थाएँ-यू.एन.ओ., स्वयंसेवी संस्थाएँ, जनसंचार के माध्यम, इन्टरनेट आदि।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- 25 अंक

1. अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा सुविधावंचित वर्गों में से किन्हीं एक पर परिचर्चा।
2. मानवाधिकार से आहत संवर्गो को दृष्टिगत रखते हुए व्यष्टि अध्ययन करना
3. मानवाधिकार के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु संगोष्ठी का आयोजन करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. जयश्री, (2008) मूल्य, पर्यावरण और मानवाधिकार की शिक्षा, दिल्ली, शिप्रा पब्लिकेशन।
2. शर्मा एवं माहेश्वरी (2005) मूल्य, पर्यावरण और मानवाधिकार की शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
3. Sharma A.D.,(2007)Lahiry D., Human Rights Education in Indian Schools, Academic Excellence Publication, Delhi.
4. Waghmare B.S. (2001) Human Rights: Problems and Prospects, Kalinga Publication, Delhi.
5. Selby David, (1998) Human Rights, Cambridge University Press
6. Dhand, H, (2002) Teaching Human Rights: A Hand book for Teacher Educators, Authorspress, Bhopal.
7 Justice M. (1998) Rama Jois, Human Rights and Indian values, NCTE, New Delhi.
8. Naseema C., (2002) Human Rights Education, Kanishka Publishers, New Delhi.

प्रश्नपत्र - 12 - V दूरस्थ शिक्षा
(Distance Education)

क़ोर्स कोड = 262 (v) — कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

उद्देश्य

- दूरस्थ शिक्षा की प्रकृति और आवश्यकता से परिचित कराना।
- सूचना प्रौद्योगिकी, संचार प्रकारों एवं शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में उनके उपयोग से अवगत कराना।
- छात्र सहायता सेवाओं के विविध प्रकारों की जानकारी तथा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इन सेवाओं के विविध कार्यक्रमों के प्रबन्ध कौशल की योग्यता विकसित करना।
- दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के मूल्यांकन के गुण और स्तर बढ़ाने की योग्यता प्रदान करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — **75 अंक**

इकाई - १ : दूरस्थ शिक्षा और इसका विकास- अवधारणा, शिक्षण-अधिगम तत्त्व, आवश्यकता, विशेषतायें, विकास। भारत में दूरस्थ शिक्षण-अधिगम पद्धति। छात्र सहायता सेवायें, दूरस्थ शिक्षा द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक कार्यक्रम, महिलाओं के लिए कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा और ग्रामीण विकास।

इकाई - २ : दूरस्थ हस्तक्षेपों व्यूह रचनाएँ- सूचना और संचार प्रद्योगिकी एवं उनका निहितार्थ। स्वनिर्देशित सामग्री और अभिकल्प का निर्माण। शिक्षा में इलेक्ट्रानिक माध्यम व दूरस्थ शिक्षा।

इकाई - ३ : गुणात्मकता उन्नयन एवं कार्यक्रम मूल्यांकन- दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता, आश्वासन। प्रतिश्रुत दूरस्थशिक्षा के निर्माण मानक, यान्त्रिक निर्माणस्तर। कार्यक्रम मूल्यांकन।

इकाई - ४ : दूरस्थ शिक्षा में लागत विश्लेषण- सम्प्रत्यय, आवश्यकता, प्रक्रिया। दूरस्थ शिक्षा में नये आयाम, भविष्य के लिये आश्वासन।

इकाई - ५ : दूरस्थ शिक्षा एवं औपचारिक आवासीय शिक्षा में सम्बन्ध- अवधारणाएं एवं भारतीय संदर्भ में समस्याएँ। दूरस्थ शिक्षा में शोध-दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित भारतीय सन्दर्भ में शोध के मुख्यबिन्दु, गुणवत्ता की दृष्टि से उनके निहितार्थ।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- 25 अंक

1. दूरस्थ शिक्षा में प्रविष्ट छात्रों की समस्याओं का व्यष्टि अध्ययन।
2. दूरस्थ शिक्षा के आयोजन स्तर पर केन्द्रित समस्याओं पर संगोष्ठी आयोजित करना।
3. दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता के आयाम विकसित करने की दृष्टि से सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के उपयोग विषय पर कार्यशाला आयोजित करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाठक, आर.पी.,(2010) दूरस्थ शिक्षा के विविध आयाम, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
2. पाण्डेय, लता (1995) दूरवर्ती शिक्षा, विश्वविद्याल प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र.।
3. Reddy, G. Ram, (1984) Open Education System in India, Its Place and Potential, APOU, Hyderabad
4. Sharma, R.A. (1994) : Distance Education Theory, Practice and Research, LBD, Meerut (U.P)
5. Keegan,D.J., (1985)The Foundation of Distance Education, London, Groom Helm.
6. Sharma, Madhulika, (1990)Distance Education, Concepts and Principles, kaniksha Publishers, Ansari Road, DaryaGanj, New Delhi

लघु शोध प्रबन्ध
(Dissertation)

कोर्स कोड = 263

कुल क्रेडिटस = 08
कुल अंक = 200

शिक्षाचार्य के लघुशोध प्रबन्ध हेतु
(विभागीय समिति का प्रस्ताव)

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षापरिषद् के आदेशानुसार लघुशोध प्रबन्ध का पाठ्यक्रम निरन्तरता के साथ संचालित किया जायेगा जिसमें छात्र– **प्रथम सेमेस्टर** में लघु शोध प्रबन्ध हेतु शीर्षक एवं मार्गदर्शक का चयन करेंगे। **द्वितीय सेमेस्टर** में चयनित विषय से सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण एवं लेखन कार्य करेंगे। **तृतीय सेमेस्टर** में शोध संक्षिप्तिका लेखन एवं प्रस्तुतीकरण तथा शोध उपकरण निर्माण, प्रतिदर्श चयन एवं शोध सम्बन्धित प्रदत्त संकलन कार्य करेंगे। **चतुर्थ सेमेस्टर** में शोध सम्बन्धित संकलित आधार सामग्री का विश्लेषण एवं निर्वचन कर शोध प्रबन्ध का लेखन कार्य पूर्ण करेंगे। एतदर्थ विद्यार्थी को राष्ट्र भाषा हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी किसी भी माध्यम से प्रस्तुति के लिए विकल्प दिया जा सकता है जिसे प्रीसबमिशन सेमीनार के रूप में भी प्रस्तुत करना होगा। तदानुसार विभागीय समिति के द्वारा अपेक्षानुसार अनुमोदित किया जायेगा एवं इस पर मूल्यांकन हेतु कारवाई की जायेगी।

चतुर्थ सेमेस्टर में लघुशोध प्रबन्ध हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियाएं

1. मार्गदर्शक के साथ सम्पर्क कक्षा (Contact Class) प्रतिदिन 2 घण्टे।
2. अपने शोध सम्बन्धित संकलित आधार सामग्री का संगठन एवं विश्लेषण कार्य।
3. लघुशोधप्रबन्ध का प्रस्तावित अध्यायों के रूप में लेखन कार्य।
4. प्रीसबमिशन सेमीनार (Presubmission Seminar) प्रस्तुतीकरण हेतु प्रस्ताव तैयार करना।

लघुशोध प्रबन्ध हेतु अंक वितरण

लघुशोध प्रबन्ध	=	150 अंक
मौखिकी	=	50 अंक

****